चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 192 | पेज 6, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
05 जनवरी 2025 रविवार

आज का मौसम
27 अधिकतम
10 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

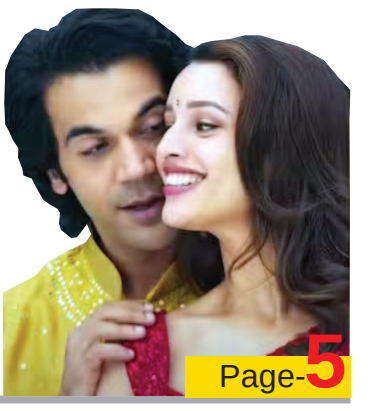

भाजपा का भरोसा ट्रिकल डाउन में और हमारा सामाजिक सामंजस्य व सौहार्द में

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास में स्टूडेंट्स के साथ बातचीत की है। जब एक स्टूडेंट ने पूछा कि बीजेपी और कांग्रेस कैसे अलग है, तो राहुल ने जवाब दिया कि कांग्रेस निष्पक्षता से काम करती है, जबकि बीजेपी आक्रामक दृष्टिकोण से काम करती है। कांग्रेस संसाधनों के समान वितरण और समावेशी ग्रोथ में विश्वास करती है, जबकि बीजेपी आक्रामक रूप से ग्रोथ पर फोकस करती है। वह आर्थिक दृष्टि से 'ट्रिकल-डाउन' में भरोसा करते हैं। जबकि सामाजिक मोर्चे पर हमारा यानि कांग्रेस का मानना है कि समाज जितना सामंजस्यपूर्ण और सौहार्द्र से भरा होगा, लोग जितने कम लड़ेंगे, देश के लिए उतना ही बेहतर होगा। राहुल ने इस बात पर जोर दिया कि सरकारों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने पर ज्यादा खर्च करना चाहिए. इसे निजीकरण और वित्तीय प्रोत्साहन के जरिए हासिल नहीं किया जा सकता है। अभी हमारी शिक्षा प्रणाली कल्पनाशीलता को पनपने नहीं देती और सब कुछ निजीकरण से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संभव नहीं है।

आईआईटी छात्रों को राहुल ने समझाया कांग्रेस-भाजपा के बीच का अंतर

सोरोस को सर्वोच्च सम्मान से भड़के मस्क

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन अपने कार्यकाल के अंतिम दिन में कई ऐसे फैसले ले रहे हैं जो विवाद व आश्चर्य का विषय हैं। अब विवादित भूमिका में रहे खरबपति कारोबारी जॉर्ज सोरोस को अमेरिका के सबसे बड़े नागरिक सम्मान प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम से उन्होंने नवाजा है। जिस तरह भारत में 'भारत रत्न' सम्मान सबसे प्रतिष्ठित माना जाता है, वहीं गौरव अमेरिका में प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम को हासिल है। बेशुमार दौलत, विवादित निवेशक, कई एनजीओ पर दबदबा रखने वाले सोरोस पर कई देशों की सरकार गिराने और कई दिग्गज बैंकों को तबाह करने का आरोप है। गत वर्ष सोरोस ने कहा था कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है, लेकिन पीएम नरेंद्र मोदी लोकतांत्रिक नहीं हैं। हालांकि सोरोस को सम्मान से अमेरिका के दूसरे खरबपति एलन मस्क तिलमिला रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह हास्यापद है।

सागर भाजपा जिलाध्यक्ष दावेदार हरवंश के घर आयकर छापा

सागर, एजेंसी। आज सुबह यहां बंडा से पूर्व विधायक और भाजपा जिला अध्यक्ष की रेस में शामिल हरवंश सिंह राठौर के मकान पर भोपाल से करीब 10 गाड़ियों से आयकर विभाग की टीम पहुंची और छापा शुरू किया। अधिकारियों ने सदर क्षेत्र में स्थित राठौर बंगले पर दबिश दी है। राठौर बंगले पर छापे की खबर मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए हैं। इसके अलावा आयकर विभाग की टीम ने भीतर बाजार निवासी भाजपा के पूर्व पार्षद राजेश केशरवानी व राकेश छाबड़ा के घर भी सर्वे की कार्रवाई की है। गौरतलब है कि हरवंश सिंह राठौर एक बार जिला पंचायत अध्यक्ष भी रहे है। उनके पिता हरनाम सिंह राठौर भाजपा नेता थे व उमा भारती के बहुत करीबी थे। वे जेल मंत्री रहे हैं।

एक हजार जवानों ने घेरा अबूझमाड़ का जंगल, कई नक्सली मारे

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिले की सीमा पर अबूझमाढ़ के जंगलों में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच देर रात से मुठभेढ़ जारी है। अधिकारियों ने बताया कि नारायणपुर, दंतेवाड़ा, जगदलपुर, कोंडागांव जिले की डीआरजी और एसटीएफ की संयुक्त टीमों की अबूझमाड़ क्षेत्र में है और दोनों पक्षों की ओर से रुक-रुक कर फायरिंग हो रही है। जंगल में सर्च ऑपरेशन के दौरान अब तक 4 वर्दीधारी नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं। उनके पास से कई ऑटोमेटिक हथियार बरामद हुए हैं। नक्सलियों के साथ इस मुठभेड़ में दंतेवाड़ा डीआरजी जवान हेड कांस्टेबल सन्नू कारम शहीद हो गए। करीब एक हजार जवानों ने शनिवार को ही नक्सलियों के कोर इलाके को घेर लिया था। बीते एक-डेढ़ वर्ष के दौरान छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों को नक्सलियों के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है।

आज का कार्टून

– साभार : माधव जोशी

पीथमपुर में जहरीले कचरे का मामला: कल हाईकोर्ट जाएगी सरकार, सीएम-वीडी आज इंदौर में

पहले तो सरकार के सारे आकलन नाकाम अब तेजी से डैमेज कंट्रोल का हो रहा काम

भोपाल.दोपहर मेट्रो

मोहन यादव सरकार यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे पर चौतरफा फंसती नजर आ रही है। इस मामले में कई नेताओं व अफसरों के बीच अलग राय सामने आई है। वहीं सरकार के स्तर पर भी शुरूआती गफलत ने मामला बिगाड दिया। जनभावनाएं इस तरह भड़क जाएंगी या भड़का दी जाएंगी, इसका आकलन ही नहीं हो सका। माना जा रहा है कि कुछ क्षेत्रीय नेताओं की राजनीतिक चाल में मामला बुरी तरह उलझ गया है। अब डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा से लेकर कई बड़े दिग्गज इंदौर, धार व पीथमपुर की खाक छान रहे हैं। आज वे सीएम डॉ. मोहन यादव भी इंदौर पहुंच रहे हैं। उधर अधिकारियों का दल पहले से इंदौर में डेरा डाल चुका है। माना जा रहा है कि इंदौर ही विरोध प्रदर्शन का केंद्र बिंदु है हालांकि कचरा रहां से चालीस किमी दूर धार जिले के पीथमपुर संयंत्र में जलना है। इन सबके बीच सरकार कल सोमवार को हाईकोर्ट पहुंचर रही है जहां कचरा जलाने को लेकर अतिरिक्त समय मांगेगी।

हाईकोर्ट की डेडलाइन कल होगी खत्म:

दरअसल, हाईकोर्ट ने यूका का जहरीला कचरा जलाने को लेकर सरकार से 6 जनवरी को स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। इसके तहत ही मुख्य सचिव अनुराग जैन की ओर से कल हाईकोर्ट में शपथ पत्र पेश किया जाएगा। उसमें विरोध समेत सभी स्थितियों को हाईकोर्ट के सामने रखा जाएगा। तब तक के लिए कचरा जलाने की कार्रवाई पूरी तरह रोक दी है। यह निर्णय पीथमपुर व आसपास के क्षेत्रों में उपजे विरोध और दो प्रदर्शनकारियों को आग लगने की घटना के बाद लिया है। अब सोमवार मिलने वाले हाईकोर्ट के आदेशों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।सरकार ने इस डेडलाइन को ध्यान में रखते हुए यूका का कचरा भोपाल से धार भेजा था, जिसे जलाए जाने की प्रक्रिया शुरू होती, उसके पहले विरोध होने लगा। हालांकि काफी पहले यहां कचरा जलाने का परीक्षण भी हो चुका था।

पीथमपुर ही क्यों?

- **पीथमपुर को ही क्यों चुना-** सभी राज्यों में विभिन्न तरह के जहरीले कचरे के निष्पादन के लिए केंद्र ने एक-एक संयंत्र की जरुरत महसूस की थी। पीथमपुर संयंत्र इसी का हिस्सा है, जहां कचरा भेजा गया।
- **निकलने वाली राख से नुकसान होगा-** कचरे के जलने के बाद बहुत कम अवशेष बचता है, जो राख के रूप में होगा। वैज्ञानिक आधार पर तय हो चुका है कि राख को कैप्सूल में जमीन के नीचे रखेंगे।
- **क्षेत्र में त्वचा रोगी बढ़ रहे-** सामान्य तौर पर त्वचा संबंधी बीमारियों का जो स्तर सभी जगह पाया जाता है, पीथमपुर व उसके आसपास के 12 गांवों में कराई जांच में यह स्तर सामान्य के आसपास पाया गया।
- **कचरा जलने से गैस व नुकसान पहुंचाने वाले अपशिष्ट** - वातावरण में भी कार्बन डाइआक्साइड समेत विभिन्न गैसें होती है, लेकिन वह तय मापदंड से अधिक नहीं होती। उक्त कचरे के जलने से गैसें व अपशिष्ट निकलेंगे तो उनका स्तर भी तय मापदंड से कम ही होगा।

सीएम का संडे... उज्जैन में घुमाया लट्ठ, लड़ाया पंजा

भोपाल.दोपहर मेट्रो। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज रविवार की सुबह उज्जैन में राहगीरी की। उन्होंने लाठी घुमाई पंजा भी लड़ाया और घोड़े की सवारी भी की। राहगीरी के लिए कोठी रोड के करीब एक किलोमीटर से ज्यादा लंबे रास्ते को सजाया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री यादव ने ऊं नम:-शिवाय का जाप किया और फूड स्टॉल पर मीठा भी चखा। राहगीरी की शुरुआत सुबह करीब 5 बजे घंटी, झांझ, मंजीरे की धुन के साथ हुई। डमरू बजाते हुए लोग भजन-कीर्तन करते कोठी रोड पहुंचे। यहां एरोबिक्स, योग, डांस और गीतों के साथ रन फॉर गुड हेल्थ मैराथन में हिस्सा लिया। उज्जैन में इस सड़क का नजारा आम दिनों से अलग था, सड़क के दोनों तरफ कंचे, रस्सी कूद, बोरा दौड़, सितोलिया और रस्सा खींच जैसे पारंपरिक खेल खेले जा रहे थे। इवेंट में युवाओं के कई ग्रुप्स ने हरियाणवी-मालवी डांस, गरबा, एरोबिक्स, योग, बॉडी बिल्डिंग, मलखंभ और अखाड़े के करतब दिखाए। नगर निगम द्वारा बनाए गए पॉइंट पर सेल्फी ली।

मप्र में दो दिन बाद लौट रही तेज ठंड

हालांकि अभी भी कम नहीं सितम

नईदिल्ली/भोपाल, दोपहर मेट्रो

जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी के कारण पूरे उत्तर भारत में ठंड का असर तेज हो रहा है। पिछले 24 घंटे में उत्तर प्रदेश में ठंड से 8 लोग और बिहार में 2 लोगों ने जान गंवाई। वहीं मप्र को बहुत हल्की राहत भी दो दिन बाद खत्म हो रही है यहां चार पांच दिन और कड़ाके की ठंड का दौर लौट रहा है। आज 14 राज्यों में लगातार दूसरे दिन घना कोहरा देखने को मिला। दिल्ली में तो कल 9 घंटे तक विजिबिलिटी जीरो रही। हालांकि अभी राजस्थान और मध्य प्रदेश में ठंड से फिलहाल थोडी सी राहत है। लेकिन आज राजस्थान के कुछ जिलों में बारिश की संभावना है। वहीं, मप्र में दो दिन बाद सर्दी बढ़ेगी। कई जिलों में तापमान 2 से 3 डिग्री गिर सकता है। मध्यप्रदेश में तेज ठंड का दूसरा दौर अगले 48 घंटे बाद यानी कल 7 जनवरी से शुरू होगा। प्रदेश के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में रविवार से यह सिस्टम एक्टिव हुआ है, जिसका असर दो दिन बाद दिखेगा ।

राजधानी में देर से हुई सुबह..... आज सुबह राजधानी पर बादलों का डेरा रहा इसलिये सूरज भी दस बजे ही बादलों के घेरे से बाहर आ सका।

बिल्डर शर्मा और उलझे

फर्जी आईटीआर से खेला उजागर!

भोपाल दोपहर मेट्रो। आयकर विभाग की छापेमारी की जद में आए त्रिशूल कंस्ट्रक्शन के प्रमोटर राजेश शर्मा और उनकी पत्नी राधिका शर्मा के मामले में खुलासा हुआ है कि वे आयकर रिटर्न में फर्जी जानकारी भरते थे। बताया जा रहा है कि इसका खुलासा उन्होंने खुद आयकर विभाग के अफसरों को दिए रिकॉर्डेड बयान में किया है। विभाग को आशंका है कि प्रॉपर्टी में अघोषित निवेश के जरिए कम से कम 50 करो? रुपए की आयकर चोरी इन्होंने की है। मल्टी वेंचर्स कंपनी बनाकर उसमें खुद की भूमिका पार्टनर के रूप में रखी तथा इसीके जरिए अघोषित निवेश और कैश ट्रांजैक्शन किया। आयकर विभाग ने 18 दिसंबर को क्रॉलिटी ग्रुप, ईशान ग्रुप और राजेश शर्मा एंड ग्रुप के ठिकानों की तलाशी और जब्ती की कार्रवाई की थी। उनका नाम एक पूर्व मुख्यसचिव के करीबियों में भी शुमार होता है।

मेट्रो एंकर

रोहित के बाद अब हेड कोच गंभीर ने मुंह खोला

मैं किसी खिलाड़ी का फ्यूचर तय नहीं कर सकता यह उन पर निर्भर है कि उनमें कितनी भूख बाकी

सिडनी, एजेंसी

भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने आज कहा कि मैं किसी खिलाडी का फ्यूचर तय नहीं कर सकता। दरअसल, उनसे हार के बाद मीडिया ने विराट कोहली और रोहित शर्मा पर भी बात की थी। जब रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास पर पूछा गया। अलबत्ता गंभीर ने भारतीय खिलाड़ियों को खास नसीहत दी। गंभीर ने कहा, मैं किसी भी खिलाड़ी के फ्यूचर पर टिप्पणी नहीं कर सकता, यह उन पर निर्भर है। उनमें भूख और प्रतिबद्धता है तो उम्मीद है कि वे भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए वह सब कुछ करेंगे जो वे कर सकते हैं। मैं हमेशा चाहूंगा कि हर कोई घरेलू क्रिकेट खेले, अगर वे उपलब्ध हों। अगर खिलाडी टेस्ट मैचों के लिए प्रतिबद्ध हैं तो घरेलू क्रिकेट खेलें ही। उल्लेखनीय है कि कप्तान रोहित शर्मा ने कल ही अपने सन्यास की बातों को खारिज करते हुए कहा था कि मैं दो बच्चों का पिता हूं और मुझे मालूम है कि कब क्या करना चाहिये। रोहित ने इस टेस्ट से खुद को खराब फार्म के चलते अलग किया था। माना जा रहा है कि ड्रेसिंग रूम में वरिष्ठ खिलाड़ियों व कोच के बीच खटपट के बाद टीम पर असर पड़ा है।

पता नहीं 5 महीने बाद हम कहां होंगे

ट्रांजिशन के बारे में गंभीर ने कहा कि इस पर बात करना अभी जल्दबाजी होगी, पता नहीं 5 महीने बाद हम कहां होंगे। ड्रेसिंग रूम को खुश रखने के लिए मुझे हर किसी के प्रति ईमानदार और निष्पक्ष रहना होता है। बता दें कि भारतीय टीम को अब अगली टेस्ट सीरीज जून-जुलाई में इंग्लैंड में खेलनी है। गंभीर से ऑस्ट्रेलियाई कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड की उस टिप्पणी पर भी सवाल किए गए। कंगारू कोच ने कहा था कि सैम कोंस्टास को पहले दिन के खेल के अंत में भारतीय खिलाड़ी डरा-धमका रहे थे, इस पर अब गंभीर ने कहा, यह एक टफ गेम है जिसे टफ लोग ही खेलते हैं। आप इतने नरम नहीं हो सकते. मुझे नहीं लगता कि इसमें डराने वाली कोई बात थी।

सिडनी में करारी हार, डब्ल्यूटीसी से बाहर

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला टीम इंडिया की एक और करारी हार का गवाह रहा। आज टीम को 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। मुकाबले में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 162 रनों का टारगेट दिया था, जिसे उसने आज तीसरे दिन हासिल कर लिया। इस हार के चलते भारतीय टीम ने 10 साल बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भी गंवा दी. साथ ही वर्ल्ड टेस्ट चैपियनशिप फाइनल में पहुंचने का उसका सपना टूट गया.

दोपहर मेट्रो

प्रवाह

रविवारीय

02 भोपाल रविवार, 05 जनवरी 2025 epaper.dopaharmetro.com

एक बार गुस्सा और क्रोध को छोड़कर देखें

खुशियों और आनंद से भर जाएगा जीवन

खुद बनाएं स्वभाव का सांचा

अगर किसी व्यक्ति का स्वभाव झगड़ालू है, तो आमतौर पर सब लोग उससे दूरी बनाकर चलते हैं। अगर वह व्यक्ति अपनी जिंदगी में आसपास लोगों का साथ चाहता है तो उसे अपने व्यवहार में बदलाव लाना होगा। हमारे भीतर सकारात्मक व्यवहार के आते ही हमारे व्यक्तित्व में निखार आ जाता है।

■ शोभा गोयल

आम जन के बीच एक प्रचलित कहावत है कि स्वभाव और हस्ताक्षर, दोनों नहीं बदलते। यह इस अर्थ में सही है कि मानव स्वभाव व्यक्ति को जन्म के बाद परिवार और समाज में पालन-पोषण के दौरान मिलता है, यह प्रकृति का दिया हुआ उपहार है। इसकी तासीर इंसान को ताउम्र नहीं छोड़ती। हालांकि परिस्थितियों की वजह से व्यवहार में बदलाव दिख सकता है, जिसे स्वभाव से जोड़ा जाता है, लेकिन यह भी एक आदर्श स्थिति है कि जो जैसा है, उसे वैसा ही रहना चाहिए। उसे खुद को जबरन नहीं बदलना चाहिए। खासतौर पर तब, जब उसका व्यक्तित्व किसी अन्य के जीवन में गैरजरूरी हस्तक्षेप न साबित हो रहा हो।

दरअसल, इंसान का स्वभाव इसकी विशेषता और पहचान है। स्वभाव वैसे भी हमेशा कायम रहने वाला गुण है। जैसे अग्नि का गुण दहन करना है। वह अपना स्वभाव किसी भी परिस्थिति में नहीं छोड़ती है। उसी तरह इंसान अगर किसी अन्य के लिए या अपने लिए बाधक नहीं है, तो उसे भी तटस्थ रहना चाहिए। जल का स्वभाव शीतल होना है, लेकिन जैसे ही वह अग्नि के संपर्क में आता है, तो उसे भी अपने साथ ठंडा कर लेता है। यानी अग्नि को अपने जैसा बना लेता है। भले ही शुरू में उसका ताप बढ़ता हो। प्रकृति में विभिन्न प्रकार की वनस्पति, पहाड़, पर्वत, नदी, झरना, तारे-सितारे, खनिज, जीव-जंतु, पेड़-पौधे, हीरे-मोती आदि के भिन्न-भिन्न प्रकार के गुण पाए जाते हैं और इन्हीं विशिष्ट गुणों के कारण प्रकृति में अपनी-अपनी अलग पहचान रखते हैं।पक्षी आकाश में विचरण करते हैं, मीन जल में। यह इनकी पहचान है। किसी गोताखोर को हम आसानी से मछली की की तरह कह सकते हैं कि देखोज उसकी तैराकी बिल्कुल मछली की तरह है। उसी प्रकार शेर की प्रवृत्ति आक्रामकता होती है। वह किसी अन्य प्राणी को देखते ही भूख होने पर उस पर हमला कर सकता है। शेर के नाम से ही एक प्रकार का भय उत्पन्न होता है। कई बार हम किसी के व्यक्तित्व में ताकतवर प्रभाव की वजह से उसकी तुलना शेर से कर सकते हैं। अवधूत गीता' में स्वभाव को ही ब्रह्म तत्त्व कहा गया है। कहने का आशय यह है कि संज्ञा सूचक वर्ण में ब्रह्म तत्त्व छिपा है। कोई मनुष्य दयालु है, कोई संवेदनशील, कोई गुस्सैल तो कोई स्वार्थी। कोई हरदम मदद के लिए तैयार रहता है तो कोई किसी को कष्ट पहुंचाने की फिराक में रहता है। यह सब मानवीय गुण है। मनुष्य के स्वभाव से ही उसके व्यक्तित्व का निर्धारण होता है। जिस व्यक्ति का स्वभाव सरल और मिलनसार होता है, वह सभी का प्रिय होता है। सब उसकी तरफ आकर्षित होते हैं, उससे दोस्ती करना चाहते हैं और आपसी अच्छा व्यवहार बनाना चाहते हैं। न केवल एक बार या कुछ समय को ध्यान में रख कर, बल्कि हमेशा के लिए। वैसे भी अच्छी दोस्तियों की उम्र बहुत लंबी होती है।

अच्छे कर्म इंसान की पहचान बन जाते है। ईश्वर ने मानव को शरीर के साथ बुद्धि का वरदान दिया है। यही बुद्धि और मन इंसान को सही गलत में भेद करना सिखाते हैं। इसी प्रकार अगर किसी व्यक्ति का स्वभाव झगड़ालू है, तो आमतौर पर सब लोग उससे दूरी बनाकर चलते हैं। अगर वह व्यक्ति अपनी जिंदगी में आसपास लोगों का साथ चाहता है तो उसे अपने व्यवहार में बदलाव लाना होगा। हमारे भीतर सकारात्मक व्यवहार के आते ही हमारे व्यक्तित्व में निखार जाता है। हमारी प्रकृति चाहे कैसी भी हो, मगर व्यवहार हमेशा सही होना चाहिए। अगर हम सबके साथ सकारात्मक रहें तो हमारी बड़ी से बड़ी मुश्किलें आसानी से हल हो सकती हैं।

इसे इस तरह भी समझा जा सकता है कि किसी महफिल में सूट-बूट पहनकर कोई व्यक्ति शिरकत करता है। सब उसके परिधान और आकर्षक चेहरे से प्रभावित होते हैं। महफिल में जमा लोग सब उससे हाथ मिलाते हैं। अपना परिचय देते है। उनमें कुछ लोग इस तरह प्रभावित होते हैं कि उन्हें घर आने का भी आग्रह करते हैं। कुछ लोग उसके साथ दोस्ती भी कर लेते हैं। मगर इस बात की कल्पना करें कि कुछ देर के बाद वही व्यक्ति अचानक उग्र हो जाए और अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगे। कारण सिर्फ यह हो कि खाना परोसने वाले वाले किसी बैरे के दिए गए नींबू पानी में नींबू के दो बीज तैरते पाए गए। वह व्यक्ति इसे अपनी शान के खिलाफ समझ ले और कांच का गिलास जमीन पर दे मारे। साथ ही बैरे को थप्पड़ भी जड़ दे। उसका आचरण असभ्य व्यवहार में बदल जाए'।इसके बाद स्वाभाविक रूप से उसके बदले रूप और भाव भंगिमा को देखकर लोग उससे अपने आप ही पीछे हट जाएंगे। बैरे का अपमान करके वह व्यक्ति खुद को श्रेष्ठ समझ सकता है, लेकिन उसे शर्म तब महसूस होगी, जब महफिल जमाने वाला मेजबान बैरे से पूछे कि 'क्या तुम ठीक हो' और साथ ही झुक कर जमीन पर गिरे हुए कांच के टुकड़ों का उठाने में उसकी मदद करने लगे।

हम अपने से छोटे या कम हैसियत वाला माने जाने वाले लोगों के साथ मधुर व्यवहार अपनाते हैं तो इस तरह खुद को श्रेष्ठ बनने में अपनी मदद करते हैं। ऐसी बातें हमें बेहतर इंसान बनाती हैं। इसके अलावा, ऐसे व्यवहार से छोटी-बड़ी उलझनें भी सुलझ जाती हैं। मन शांत रहता है, जिससे इंसान खुश रहता है। इंसान के नैसर्गिक गुण ही उसे लोकप्रिय बनाते हैं। मनुष्य बने रहने के लिए सत्कर्म और सद्व्यवहार जरूरी है। वरना सब कुछ बिखरते देर नहीं लगती।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

नए साल का आगाज करती नई आशाएं

■ डॉ. नाज परवीन

उम्मीदों के गुलदस्ते से लबरेज आने वाला साल '2025' का आगाज पूरी कायनात में जल्द ही हो जाएगा। आने वाले साल के लिए लोगों ने नए-नए संकल्प लगभग तैयार कर लिए होंगे। कुछ तो उनके अमल में लाने की तैयारियों में भी शामिल हो चुके होंगे। बीते कुछ सालों में जिन तकलीफों को दुनिया ने बर्दाश्त किया है, उससे उभरते हुए 2024 की विदाई की तैयारियां अब पूरी होने को हैं। तकलीफों और परेशानियों में जिस तरह से दुनिया में अनगिनत लोगों ने अपने हाथों को आगे बढ़ाया वह यकीनन काबिले तारीफ है। अब भी लगता है कि दुनिया में फरिश्तों का हुजूम मौजूद है! इस कायनात के इंसानी बाशिन्दों ने अपनी रहनुमाई से साबित कर दिया है। नेकी अभी कायम है और इंसानियत अभी जिन्दा है! ऐसी अनेक मिसालें इतिहास की गवाह बन चुकी हैं। लोगों में बची हुई इंसानियत, मोहब्बत और अपनेपन के जज्बे को देख लगता है दुनिया यकीनन अभी भी बहुत खूबसूरत है। अच्छाई हर शख्स के भीतर मौजूद है। बस उसे हिम्मत से उभारने की जरूरत है।

महात्मा बुद्ध, महावीर स्वामी, सूफियां और सन्तों की इस सरजमीं को खुशियों के गुलिश्ता में तब्दील करने का जिम्मा हम भारतीयों का ही है। नया साल इन्हीं उम्मीदों के साथ दस्तक देने को तैयार है। चलो इस कायनात में हर जगह नन्हीं कोपले लगाते हैं, यह चमन है हमारा इसे प्यार से सजाते हैं। दिसंबर का जिम्मेदार महीना साल भर का लेखा-जोखा जनवरी को सौंपने के लिए सर्दी की बर्फीली मुस्कुराहट के साथ-साथ जनवरी का पूरी गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए तैयार है। साथ ही ऐसा मालूम होता है जैसे जनवरी को जिम्मेदारियों की ताकीद भी सौप रहा हो मानो कह रहा हो कि अच्छे से रखना सब.....पूरा व्यवस्थित, जैसा मैने सौपा है वैसे ही आने वाले साल को सौपना।इत्मेनान और सुकून की विदाई चाहता दिसंबर, मुझे हमेशा परिवार के बुजुंग सा नजर आता है जो आने वाली पीढ़ियों को नई जिम्मेदारियों को सौपते वक्त विश्वास और भरोसा का चेक साइन करवाकर अपने पास रख लेना चाहत हो। मानों हम से कह रहे हों कि आने वाली पीढ़ियों को सही राह दिखाने की जिम्मेदारी अब तुम्हारी पीढ़ी की है।

नए साल की एक खासियत यह भी है कि उसके पास सबके लिए अपार संभावनाएं मौजूद रहती है हम अपने संकल्पों के जरिए उन पर अमल करके न केवल अपने जीवन में बल्कि दूसरों की जिन्दगी में भी सकारात्मकता का दीपक जला सकते हैं। एक नई ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। खुली आंखों से सपनों को देखें या फिर आंखें बंद करके, सपने तभी सच होंगे जब हम उन्हें पूरा करने की कोशिशों में अपने मौजूदा समय को गवाएगें। मेहनत' से सब कुछ बनाया जा सकता है फिर वो तस्वीर हो या तकदीर। सपनों को मेहनत और विश्वास का साथ मिल जाए तो बहुत कुछ बदल सकता है। नए साल का आगाज हमें इन्हीं सम्भावनाओं की ओर लेकर जाने की ताकीद है। कुछ बड़ा करने के लिए हमें मेहनत की फेहरिश्त बड़ी करनी होगी। तभी सपनें सच होगें उनमें जान भी होगी और ऊंची उड़ान भी। आने वाला साल भी यकीनन युवाओं का ही है। तकनीकी और विकास की बुलेट ट्रेन किसी भी देश के युवाओं की मेहनत पर ही रफतार पकड़ सकती है। भविष्य को संभावनाओं से भरने में युवाओं की सबसे बड़ी भूमिका है।

भारत तो युवाओं का देश है यदि इन युवाओं की सकारात्मक ऊर्जा को स ही दिशा प्राप्त हो जाए तो भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र के तौर पर स्थापित होने से कोई रोक नहीं सकता।नए साल के संकल्पों में हमें एक वादा पृथ्वी से भी करना होगा कि हम पर्यावरण की सुरक्षा और रक्षा करने की जिम्मेदारी निभाएगें। दिल्ली के आस-पास की जहरीली हवा पहले दिल्ली अब एनसीआर और जल्द ही आगे का रूख इख्तेयार कर लेगी। आज से 100 साल पहले अगर हम किसी से पीने का पानी बेचने की बात करते तो यकीनन वो हमें ऐसा कहने पर गुनहगार का तमगा थमा देता। किसी प्यासे की प्यास बुझाना सबसे बड़ी नेकी कमाने का जरिया हुआ करता था। साफ पानी की पहुंच हर एक तक थी।

नदी, तालाब और कुओं का पानी इतना साफ और मीठा होता था कि फिल्टर पानी की कल्पना करना दूर-दूर तक ख्याली कल्पना भी न थी। जैसे-जैसे हमारी आधुनिकतावादी समझदार पीढ़ी आगे बढ़ी पर्यावरण को दूषित और दूषित करने का काम करने की जद्दोजहद में लग गई। साथ ही इसका ठीकरा एक दूसरे के ऊपर फोड़ना शुरू कर दिया। कभी-कभी लगता है कि वो दिन ज्यादा दूर नहीं जब लोग मिनरल वॉटर के साथ-साथ ऑक्सीजन सिलेण्डर भी लेकर बाहर निकलेंगे। क्यों न नए साल में एक वादा पर्यावरण की सांसें लौटाने का भी किया जाए? आखिर ये हवा वापस हमारे पास ही तो आने वाली है। आने वाला साल निश्चित ही सबके लिए बहुत कुछ लेकर आने वाला है। बस जरूरत है तो धैर्य, साहस और ठेर सारी मेहनत की। बीते साल की कुछ घटनाएं मन को बेचैन करने वाली रहीं। जहां कोरोने ने लाख मिन्नतें करने के बावजूद जिंदगियां नहीं बख्शी। मौत के पंजों ने अनगिनत घोसलों को वीरान कर दिया। सांसें अनमोल हैं, यह सबको समझाया। जाते-जाते भी कभी बदलते वायरस के नामों से कभी पुरानी बीमारियों में नई दहशत के साथ कई चेहरों की मुस्कुराहट हमेंशा के लिए छीन बताया की स्वस्थ शरीर कुदरत का बख्शा नायाब तोहफा है। इसे पूरी जिम्मेदारी से संभालने की आवश्यकता है। फिर भी 2024 के कुछ हताश, निराशा भरे आत्महत्या के कदम मन को दहलाने वाले रहे।

जीवन यूं समाप्त करने का नाम नहीं बल्कि भविष्य में नई संभावनाएं तलाश करने का नाम है। कभी-कभी सोचती हूं हमने कभी किसी जानवर को आत्महत्या करते क्यों नहीं देखा? क्या वो इंसानों से ज्यादा समझदार हैं? या उन्हें हम इंसानों से ज्यादा, भविष्य की चिंता, अगले दिन का बंदोबस्त, बच्चों की परवरिश इन सारे इंतेजामों पर ईश्वर पर अटूट विश्वास है। आने वाला साल सकारात्मक सोच के साथ जल, जीवन, जंगल, जीव और जलवायु के संरक्षण वाला हो यही कोशिशों के साथ आगे बढ़ने वाला हो। हर व्यक्ति की स्वयं की, समाज की और राष्ट्र के प्रति कई जिम्मेदारियां होती हैं। ये छोटे-छोटे पल उन्हीं जिम्मेदारियों का आभास कराने का काम करते हैं। दुनिया भर में डर, दहशत, आतंक और दहशत की खबरें युद्ध जैसा माहौल बनाने का काम कर रही हैं। युद्ध का दौर शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से दिखाई दे रहा है।

हर बड़ी घटना के पीछे बहुत छोटी सी वजह मौजूद रहती है जो हरगिज युद्ध के लिए नहीं लेकिन युद्ध की वजह जरूर बनती है। इतिहास के हुए बड़े से बड़े युद्धों को देखें तो उसकी शुरूआत बहुत छोटी वजह से होती है। इसीलिए दुनिया को हमेशा से युद्ध की नहीं बुद्ध की आवश्यकता महसूस हुई और हम भारतीय तो गौरवांवित हैं कि हम बुद्ध की धरती पे रहते हैं। इतिहास गवाह है, दुनिया में शांति का परचम हमने लहराया है। साल 2025 इसी शान्ति का हिमायती है। हम भारतीयों ने अमन का पैगाम दुनिया के एक कोने से दूसरे कोने तक पहुंचाया है। अपने इस साल के संकल्पों में एक संकल्प अमन का भी याद रखना होगा। यहीं हमारी तरक्की की पहचान रही है। अपनी पहचान को कायम रखना हमारी अहम् जिम्मेदारी है। तभी भविष्य की ऊँची उड़ान भरना संभव है। आइए नए साल का आगाज नई आशाओं के साथ करें । जय हिन्द ! जय भारत !

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

कार्टून की दुनिया में धाक थी काक की

■ राजेन्द्र शर्मा

नये साल की पहली भोर ही मन को उदास कर गयी। सात जुलाई, 1967 से बिना नागा हर रोज एक कार्टून बनाने वाले कार्टूनिस्ट काक इस फानी दुनिया से अलविदा कह गये। उन्नाव के पुरा गांव के स्वतंत्रता सेनानी शोभ शुक्ल की पांचवीं संतान हरीश चन्द्र शुक्ला (दुनिया में काक नाम से पहचान) को सातवीं कक्षा में उनके पेंसिल से खौ-खौ करते बंदर के बनाये गये चित्र, जो चित्र कम कार्टून ज़्यादा था, को कला अध्यापक जगदम्बा सिंह द्वारा दिये गये 'गुड' ने उन्हें स्कैच बनाने को प्रेरित किया। फिर कापी पर पेंसिल से स्कैच करना उनके जीवन का परम सुख बन गया।

सातवीं कक्ष में बनाया गया वह 'बंदर' और उसकी शरारतें, कारस्तानियां हरीश के मस्तिष्क में इतने गहरे पैठ गयीं कि काक बनने पर भी वह बंदर स्मृति से विस्मृत नहीं हुआ बल्कि और ज़्यादा शिद्दत से उभरा। काक के कार्टूनों के प्रिय पात्र जो गली का फक्कड़ बुड्ढा रहा, जो देश-दुनिया की हर घटना पर आम आदमी के मन की बात होती है, उसे कहने में गुरेज़ नहीं करता। उसे ज़रा ग़ौर से देखियेगा, उसके पार्श्व में कहीं न कहीं वह बंदर दिखाई दे ही जाता है। पढ़ाई-लिखाई पूरी कर कानपुर के ही एक सरकारी प्रतिष्ठान में नौकरी मिलने और फिर दाम्पत्य जीवन में बंध जाने के बावजूद उनका कार्टून बनाने का शौक बदस्तूर जारी रहा। नित्य के दायित्वों को निभा जैसे ही फ़ुरसत पाते, बस पेंसिल उठाकर स्कैच करने बैठ जाते। इसी से थकान उतरती थी, यही था जीवन का परम सुख।

वर्ष 1965-66 में उ.प्र. में चंदरभानु गुप्त मुख्यमंत्री थे। उन्होंने उन पर कार्टून स्कैच किया और कानपुर से प्रकाशित अख़बार राम राज्य में भेज दिया। कार्टून छपा परंतु कोई विशेष रेस्पांस नहीं मिला।

पहला कार्टून छपने के डेढ़ साल बाद सीमांत गांधी खान अब्दुल ग़फ़्फ़ार खान भारत आये। शुक्ला जी ने पेंसिल उठाई और कार्टून बनाया। जिसमें सीमांत गांधी की बड़ी छवि बनाते हुए उनका स्वागत करते नेताओं को बहुत छोटा-छोटा दिखाया गया था। यह कार्टून दैनिक जागरण के संपादक नरेंद्र मोहन को दे आये। कार्टून ग़ज़ब था और संपादक पारखी। उन्होंने कार्टून को 7 जुलाई, 1967 को पहले पन्ने पर प्रकाशित किया।

संयोग देखिये, उसी दिन हरीश चंद्र शुक्ला के पहले बेटे का जन्म हुआ। सारा घर-परिवार खुश कि घर में नन्हा शिशु आया है लेकिन उनके लिये यह यक्ष प्रश्न अपने आप से कि वह पुत्र आगमन से खुश हैं या अपना कार्टून छपने से। बहरहाल सात जुलाई 1967, कार्टूनों की दुनिया में ऐतिहासिक दिन बन गया, उसी दिन जाने माने कार्टूनिस्ट 'काक' का नामकरण हुआ। उस दिन हरीशचंद्र शुक्ला नेपथ्य में चले गये और सामने थे काक, जिन्हें सारा देश इसी नाम से पहचानता हैं। स्वयं काक साहब भी इसी नाम से पुकारे जाने के हामी थे। उन्होंने खुद से संकल्प किया कि जब तक जीवन है, वह हर रोज़ कार्टून बनायेंगे। इन 58 साल में एक भी दिन ऐसा नहीं जब काक साहब ने कार्टून न बनाया हो। काक की संकल्प शक्ति को क्या कहियेगा, कोरोना संकट में वे हर रोज़ कार्टून बनाते रहे।

इस तरह काक ने कार्टूनों की दुनिया में ऊंची उड़ान भर दी। एक से एक नुकीला, चुभता हुआ, गुदगुदाता हुआ कार्टून हिंदी के तमाम अख़बारों में दिखने लगा। कानपुर से दैनिक जागरण, आज, जयपुर में राजस्थान पत्रिका, चंडीगढ़ में हिंदी ट्रिब्यून में काक के कार्टून उड़ान भर रहे थे। बात को बेहद सलीक़े से अपने प्रिय पात्र बुड्ढे के ज़रिये कहने वाले काक ने कोई नेता नहीं छोड़ा जिसका कार्टून न बनाया हो। देश भर के नेता काक को जानने-समझने लगे थे।

'दिनमान' में सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय के बाद बतौर संपादक रघुवीर सहाय आये। रघुवीर सहाय की पहल पर काक ने दिनमान के लिये कार्टून बनाने शुरू किये। कई बार उनके कार्टून को ही रघुवीर सहाय ने कवर पेज बना दिया। यह काक की 'काक' दृष्टि का ही कमाल था कि रघुवीर सहाय के समय से दिनमान में छपने शुरू हुए कार्टून कन्हैया लाल नंदन, सतीश झा, घनश्याम पंकज के कार्यकाल में भी यथावत छपते रहे। पत्रिका के लिये काक के कार्टून अपरिहार्य हो गये थे।

उन्हीं दिनों कलकत्ता से रविवार का प्रकाशन शुरू हुआ। योगेन्द्र कुमार 'लल्ला', एसपी सिंह, उदयन शर्मा काक को कहां छोड़ने वाले थे। रविवार के लिये भी काक अपरिहार्य हो गये थे। अपने कार्टून की बदौलत काक राजनेताओं के पंसदीदा हो गये थे। अटल बिहारी वाजपेयी के विराट व्यक्तित्व से अवगत कराते हुए काक ने इन पंक्तियों के लेखक को बताया था कि जब बेहमई नरसंहार के बाद विभिन्न दलों के नेतागणों के दौरे हो रहे थे। इंदिरा गांधी के बाद अटल जी भी आये। उन दिनों जागरण के मुख पृष्ठ पर कार्टून छपा, शीर्षक था 'बेहमई की हुतात्माओं की शांति के लिए थोड़ी और धूल'।

कार्टून में अटल जी बेहमई जा रहे थे, धूल उड़ रही थी। यह कार्टून कुछ ज्यादा ही तीखा हो गया था, पर वाह अटल जी, उसी दिन कानपुर की विशाल सभा में उन्होंने कार्टून का बाकायदा उल्लेख किया और उलाहना दिया कि कार्टूनिस्ट ने हमें कुछ ज्यादा ही मोटा दिखा दिया है, देख लो, मैं इतना मोटा नहीं हूं। काक दंग रह गये यह सुनकर। अपनी आलोचना को न केवल इतनी सहजता से लेना बल्कि इतना अप्रत्याशित महत्व देना, यह अटल जी की विशेषता थी।

1967 से 1983 तक कुल 15 बरस तक हर रोज़ कार्टून बनाने और हर रोज़ किसी न किसी पत्र पत्रिका में कार्टून प्रकाशित होने के फलस्वरूप कार्टूनिस्ट काक प्रतिष्ठित हो चुके थे। सभी संपादक काक को सलाह देते कि अब पूर्णकालिक रूप से अख़बार ज्वाइन करो। कालांतर हरीश चन्द्र शुक्ला को उसी सरकारी प्रतिष्ठान में छोड़ उन्होंने पूर्णकालिक रूप से काक बन कर जनसत्ता में ज्वाइन किया। डेढ़ साल बाद नवभारत टाइम्स में आए और 1999 में सेवानिवृत्त हुए। लेकिन कार्टून बनाना ही उनका जीवन रहा, उनकी सांसें रहीं।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

रसूखदार माफिया का बैखौफ अवैध शराब कारोबार, सीएम का आदेश बेअसर

संभाग मुख्यालय की सब्जी मंडी बनी अहाता, आबकारी विभाग बेखबर!

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

धार्मिक नगरी नर्मदापुरम में शराब का अवैध कारोबार बेखौफ जारी है। स्थिति ऐसी निर्मित हो गई है कि अब तो कमिश्नर कार्यालय के नजदीक स्थित कोठी बाजार की सब्जी मंडी जो लाखों रुपए से नगर पालिका ने बनाई है अब वह अहाता बार में तब्दील हो गई है। जिसे देखकर ऐसा लगता है कि मुख्यालय पर आबकारी विभाग का अमला है ही नहीं? जिनकी कर्तव्यनिष्ठा का खौफ शराब माफिया को हो सके?

माहौल देखकर लगता है कि शायद यहां पर धार्मिक नगरी नर्मदापुरम में शराब विक्रय पर मुख्यमंत्री का प्रतिबंध का आदेश इस क्षेत्र में लागू नहीं होता है? क्या कारण है कि यहां पर जवाबदार बड़े-बड़े अधिकारी होने के बाद भी सब्जी मंडी क्षेत्र में अवैध शराब विक्रय पर पूर्णतः प्रतिबंध

नहीं लग पा रहा हैं और ना ही यहां पर शराब का कारोबार बंद करवा पा रहे हैं? बड़े सवाल खड़े होते हैं कि क्या धार्मिक नगरी में एक छोटे से कोठी बाजार सब्जी मंडी में ही शराब माफिया पर अंकुश लगाने में जवाबदार विभाग नाकाम हो रहा? आखिर वह कौन शराब ठेकेदार अथवा किस दुकान की शराब कोठी बाजार सब्जी मंडी क्षेत्र में बिकवाने के लिए सप्लाई को संरक्षण दिया जा रहा है? कि चंद कदमों की दूरी पर मौजूद आबकारी विभाग भी मंडी परिसर में पड़ी ढेरों शराब की खाली बोतलों से दुकान और ठेकेदार को खोज नहीं कर पा रहा है?धार्मिक नगरी नर्मदापुरम में अवैध शराब विक्रय की मिल रही शिकायतों पर कमिश्नर केजी तिवारी तो 27 नवंबर 2024 बुधवार को समीक्षा बैठक में आबकारी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दे चुके है कि नर्मदा नदी किनारे एवं आसपास शराब की बिक्री ना हो। नर्मदापुरम ड्राई क्षेत्र है तो उसे ड्राई ही रहने दें।उस पर जिला आबकारी अधिकारी लगातार कार्यवाही करें, पर लगता है कि कमिश्नर साहब के आदेश भी यहां अधीनस्थ फॉलो नहीं कर पा रहे हैं?

ब गुरुवार 2 जनवरी को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के साथ नर्मदापुरम संभाग के विकास कार्यों की बैठक को लेकर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के संग हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की बैठक में महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने मुख्यमंत्री के समक्ष धार्मिक नगरी नर्मदापुरम में शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध होने के बावजूद आबकारी अधिकारियों की मिलीभगत से ठेकेदार द्वारा अवैध शराब विक्रय और परिवहन का गंभीर विषय सामने रखा। नगर के चौक चौराहा सहित पब्लिक प्लेस में खुलेआम धड़ल्ले से बिक रही अवैध शराब पर सख्ती से रोक लगाने का आग्रह किया। उसके बावजूद शुक्रवार शाम को जब मीडिया टीम कोठी बाजार सब्जी मंडी में मोइन करने पहुंची तो वह सब्जी मंडी अहाता बार में तब्दील नजर आई, जगह-जगह पूछ खुली खाली बोतले पड़ी हुई थी और खाली बोतलों के वरदानों के ढेर भी लगा दिखा और मीडिया को देखकर मंडी में शराब पीते हुए शराबी भाग खड़े हुए। आश्चर्य का विषय है कि मुख्यालय पर ही आबकारी विभाग सब्जी मंडी जैसे छोटे स्थान पर शराब विक्रय पर प्रतिबंध लगाने में नाकाम साबित हो रहा है।

रोबोट बनाकर विद्यार्थी ने संभागीय युवा उत्सव में पाया प्रथम स्थान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

खेल एवं कल्याण विभाग द्वारा आयोजित 28वें संभाग स्तरीय युवा उत्सव में स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने अपनी प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन कर पहला स्थान प्राप्त किया।

विद्यार्थी आदित्य साहू द्वारा बनाया गया अग्निशमन रोबोट निर्णायकों को अत्यधिक पसंद आया। इस रोबोट ने आग बुझाने में अपनी स्वचालित तकनीक का शानदार प्रदर्शन करते हुए सभी को प्रभावित किया और प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह मॉडल स्कूल के एटीएल इंचार्ज नीतिश कुमार दुबे के मार्गदर्शन में बनाया। पहले में भी जिला स्तरीय युवा उत्सव में आदित्य साहू को प्रथम पुरस्कार मिला था एवं उनका चयन इस संभाग स्तरीय युवा उत्सव प्रतियोगिता के लिए हुआ था। अब वह राज्य स्तरीय युवा उत्सव में भाग लेने भोपाल रवाना होंगे। साथ ही कविता लेखन प्रतियोगिता में शाला की छात्रा कु. अनामिका कीर ने तृतीय स्थान हासिल कर शाला का गौरव बढ़ाया।

उनका मार्गदर्शन शिक्षिका दीपिका वर्मा ने किया। इस उपलब्धि पर स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल के डायरेक्टर सुभाशीष चटर्जी, प्राचार्य मोना चटर्जी और संपूर्ण शाला परिवार ने विजयी विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। विद्यालय के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन ने न केवल शाला का बल्कि पूरे जिले का मान बढ़ाया है।

ब्रेल लिपि के जनक लुई ब्रेल का जन्मदिन मनाया

दिव्यांग विद्यालय में बच्चों ने प्रस्तुत किया सांस्कृतिक कार्यक्रम

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नगर में दिव्यांग बच्चों की संस्था सहयोग विशेष आवासीय विद्यालय में ब्रेल लिपि के जनक लुई ब्रेल का जन्म दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती जूही चटर्जी एवं संगीत शिक्षिका कोमल तायवड़े का बच्चों द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ लुई ब्रेल की फोटो पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके पश्चात दृष्टिबाधित विद्यार्थी आदित्य यादव ने लुई ब्रेल के जीवन पर प्रकाश डाला व उनकी उपलब्धियों के विषय में जानकारी दी। कक्षा 12वीं की छात्राओं लीला, ऋषिका, रीना, मीणा और रश्मि ने सुंदर नृत्य की प्रस्तुति दी। इसके पश्चात बच्चों ने लुई ब्रेल के विषय में सुंदर सामूहिक गान की प्रस्तुति। निकिता मालवीय एवं कल्पना ने भी एकल गायन प्रस्तुति दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम के पश्चात मुख्य अतिथि श्रीमति जूही चटर्जी ने बच्चों को संबोधन करते हुए ब्रेललिपि के आविष्कार के विषय में बताया और यह भी बताया कि उन्होंने ब्रेल लिपि के पूरे विश्व में उपयोग के विषय में भी बताया जो दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए बहुत उपयोगी है.जिससे वह लिख पढ़कर आगे बढ़ रहे हैं. कार्यक्रम में संगीत शिक्षिका कोमल ताइवडे ने सुंदर गीत प्रस्तुत किया । कार्यक्रम के अंत में बच्चों को

सम्यक दर्शन होने पर ही ज्ञान और चरित्र की कीमत होती हैं, इसके बिना सभी चीजे शून्य समान : विसौम्य सागर जी

नगर में धूम धाम से चक्रवर्ती की दिग्विजय यात्रा निकाली गई, जगह जगह तिलक लगाकर सम्मान किया गया

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर में गणाचार्य श्री विराग साागर जी महामुनिराज के षिष्य उपाध्याय श्री विरंजन सागर जी महाराज जी के ससंघ सानिध्य में 25 मंडलीय समवषरण विधान में सुबह से भगवान श्रीजी का पूजन, अभिषेक एवं विष्व शांति के लिए भगवान की शांतिधारा मुनिश्री के द्वारा मंत्रोचारण के साथ की गई। इसके बाद समवषरण विधान में कल्पवृक्षो का पूजन, चारो दिषाओ के स्तूप पूजा, जय माला के साथ विधान के अर्घ चढाए गए। इस अवसर पर मुनि श्री विसौम्य सागर जी महाराज ने अपने प्रवचनो में कहा कि समयक दर्षन, समयक ज्ञान एवं समयक चारित्र इन्हे पा लिया तो सम कुछ पा लिया, जिसमें समयंक दर्षन महत्वपूर्ण है। क्योकि इसके बिना न ज्ञान समयक होगा न चारित्र समयक होगा। जिस प्रकार अंक बिना सून्य लिख दिया जाता है तो उसकी कोई कीमत नहीं होती है लेकिन अगर सून्य के पहले अंक लिख दिया जाता है तो उसकी कीमत बढती जाती है। जैसे अंक के बगल में सून्य लिख दिया जाए तो 10 बन जाता है, 100 बन जाता है ऐसे संख्या बडती जाती

है। कीमत सून्य की बडती जाती है। वैसे ही समयक दर्षन अगर प्राप्त हो गया तो ज्ञान की कीमत है, चरित्र की कीमत है उसके बिना सारी चीजे सून्य के समान है। इधर समवषरण की भूमि पर आज हम सभी बैठे है तो यहीं भावना लेकर आए है कि हे भगवान मुझे समयक दर्षन प्राप्त हो जाए और समयक दर्षन प्राप्ति का एक मात्र उपाय है वह है भक्ति, भक्ति के बिना समयक दर्षन की प्राप्ति नहीं होती है। भक्ति भी दो प्रकार की होती है। एक धुन में मस्त होकर एवं दूसरी गुण में मस्त होकर, जब बीन बजती है तो हम नाग बनकर नाचने लगते है और जब गीत बजता तो धुन में मस्त होकर हम नांचने लगते है। लेकिन जब जयमाला का पाठ होता है तो हम शांत हो जाते है। जब धुन में मस्त होते है हम कहीं नाग बनते और भी कुछ बनेते है लेकिल जब हम गुण मे मस्त होते है तो अरिहंत बनते है। ये सोचना है कि हम किस में मस्त हो रहे है। हे भगवान में आपको नमस्कार कर रहा हूं आपकी वंदना, पूजा और अर्चना कर रहा हूँ में जो कुछ भी क्रियाए कर रहा है वह आपके गुण प्राप्ति के लिए कर रहा हूँ। आपका गुण हमारे अंदर में आ जाए इसलिए आपकी अराधना कर रहा हूँ।

विधान के दौरान सौधर्म इंद्र एवं कुवेर इंद्र ने प्रष्न किए तो विरंजन सागर जी ने कहां कि अरहंत भगवन का समवषरण लगता है और

समवषरण में भगवन जिनेन्द्र देव की देषना हम सब अज्ञानी जीवो के लिए ज्ञान का प्रकाष कराने बाली होती है। तींर्थंकरो भगवनतो का समवषरण नहीं लगा होता तो हम सबको सुख, दुख, पुन्य, पाप, सहित 9 पदार्थो का ज्ञान नहीं होता। भगवान जिनेन्द्र की देषना पुण्यषाली लोग ही सुन पाते है। भगवन की देषना जब गिरती है और समवषरण लगता है तो सौ योजन तक चारो तरफ सुवृष्टि होती है वातावरण प्रषस्त्र हो जाता है। भगवान अरहंत स्वामी जब समवषरण विराजमान होते है वह स्थान अपने आप ही पावन पुनीत हो जाता है।

दोहपर तीन बजे से विधान मंडल से नगर में बैंड गाजे वाजो के साथ हाथी और बग्गियो पर चक्रवर्ती की दिगविजय यात्रा निकाली गई। नगर के मुख्य में अनेक जगहो पर चक्रवर्ती राजा का तिलक कर श्रीफल भेंट किए गए। इसके अलावा संध्याकाल में जिनषासन महासंघ के द्वारा गाजो बाजो के साथ महाआरती के लिए शोभा यात्रा निकाली गई। समवषरण में विराजमान भगवान श्रीजी की भव्य महाआरती की गई। ब्रम्हचारी अंकित भैयाजी के प्रवन हुए, आस्तिक जैन चांदपुर एवं चक्रेष जैन के कलाकारो के द्वारा नाटिका का मंचन के अलावा अनेक सांस्कृत कार्यक्रम हुए।

नेत्रहीनों के लिए वरदान है ब्रेल लिपि

नर्मदापुरम। प्रति वर्ष 4 जनवरी को विश्व ब्रेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन वैश्विक स्तर पर दृष्टिबाधितों के लिए बेहद अहम दिन है। इस दिन को लुईस ब्रेल नाम के शख्स के जन्मदिन के अवसर पर मनाते हैं। लुईस ब्रेल एक आविष्कारक थे, जिन्होंने ब्रेल लिपि का आविष्कार किया था। ब्रेल लिपि आंखों से देख न पाने वाले लोगों की भाषा है, जिसका उपयोग वे लिखने पढ़ने के लिए करते हैं। जन्मजात या किसी अन्य कारण से आंखों का रोशनी खो देने वाले लोगों को समाज के अन्य लोगों के समान स्थान देने और उन्हें शिक्षा व करियर में शारीरिक कमी के कारण वंचित न रहना पड़े, इसी उद्देश्य से लुईस ब्रेल ने ब्रेल लिपि का आविष्कार किया और दृष्टिबाधितों को आत्मनिर्भर बनने में मदद की। उनके जीवन काल में उन्हें इस योगदान के लिए सम्मान नहीं मिला। लेकिन बाद में विश्व ब्रेल दिवस मनाने की शुरुआत की गई और लुईस ब्रेल के जन्मदिन के अवसर पर उन्हें याद करते हुए यह दिन समर्पित किया गया।

पचमढ़ी महोत्सव में सांसद दर्शन सिंह चौधरी एवं सांसद माया नारोलिया हुए शामिल, आर्केस्ट्रा ने बांधा समां

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश का हिलस्टेशन नर्मदापुरम जिले का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पचमढ़ी सतपुड़ा की वादियों में बसा एक अदभुत शहर है, कहें तो एक ही जगह सम्पूर्ण पर्यटन है। यहां हर प्रकार का पर्यटन उपलब्ध है चाहे वह धार्मिक हो प्राकृतिक, सांस्कृतिक या एडवेंचर सभी पचमढ़ी में मौजूद है। इन सभी को देखते हुए पर्यटकों के लिए साल में एक बार पचमढ़ी महोत्सव भी मनाया जाता रहा है जिसको मध्यप्रदेश टूरिज्म, जिला प्रशासन एवं datcc के द्वारा इसका आयोजन किया जाता है।कोरोना त्रासदी के बाद यह आयोजन कलेक्टर सोनिया मीना के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में फिर से शुरू किया गया है। पचमढ़ी महोत्सव 2024-25 का आगाज कॉर्निवाल से किया गया था। वही 3 जनवरी को सुबह 8 बजे साइकिलिंग में सैकड़ों पर्यटकों ओर प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने लिया भाग लिया। सायकलिंग, हाट बाजार से शुरू हुई जो चर्च, कैंट कार्यालय , पुलिस थाना , ओल्ड होटल, हवाई पट्टी, रीछगढ संगम टूर, राजेन्द्र गिरी, नालंदा टोला से होते हुए हाट बाजार में समाप्त हुई।

खेलो विधानसभा अंतर्गत तेन्दूखेड़ा में हो रहा टीपीएल 2025 क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज

तेन्दूखेड़ा। जबेरा विधानसभा अंतर्गत तेन्दूखेड़ा के खेलो के इतिहास में प्रथम बार ऐतिहासिक एवं भव्य तेन्दूखेड़ा प्रीमियर लीग-2025(टीपीएल)क्रिकेट टूर्नामेंट की शुरुवात तेन्दूखेड़ा के हाई स्कूल मैदान में होने जा रही है,इस अवसर पर टूर्नामेंट के संरक्षक नितेंद्र सिंह लोधी ने बताया कि- नोहटा में आयोजित एनपीएल की तर्ज पर माननीय धर्मेन्द्र सिंह लोधी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के मार्गदर्शन में आयोजित होने जा रहे तेन्दूखेड़ा प्रीमियर लीग में नगर की 16 टीमें जिसमे 12 टीमें ऑक्शन द्वारा एवं 4 टीमें विभागीय स्तर से इस आयोजन में सम्मिलित होकर अपने खेल प्रतिभा का जौहर दिखाएंगे। जबेरा विधानसभा अंतर्गत खेलो विधानसभा के चरणबद्ध रूप से विभिन्न खेलो का आयोजन पूरी विधानसभा में किया जा रहा है। तेन्दूखेड़ा में खेलो को लेकर नगर के युवाओं में उत्साह देखने मिल रहा है,साथ ही इस खेल आयोजन में नगर के व्यापारी वर्ग,कर्मचारी और जनप्रतिनिधियों में भी रोमांच की अनुभूति देखने मिल रही है।

मेट्रो एंकर | गृह विज्ञान महाविद्यालय में संभागीय स्तरीय एकल एवं समूह गायन की प्रतियोगिता

गायन हमारी भारतीय लोक संस्कृति का परिचायक है : प्राचार्य

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में शनिवार को संभाग स्तरीय एकल एवं समूह गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संभाग स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को राज्य स्तर पर सहभागिता करने का अवसर प्राप्त होगा।

महाविद्यालय प्राचार्य ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि गायन हमारी लोक संस्कृति का परिचायक है। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में संभाग भर के विद्यार्थी सहभागिता कर रहे हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताएं युवा पीढ़ी को मौलिक

संभागीय स्तर पर प्रथम द्वितीय स्थान पाने वाले को मिलेगा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सहभागिता का अवसर

परंपराओं से पुनः जोड़ रही हैं । भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित इन प्रतियोगिताओं की श्रृंखला का मूल उद्देश्य अपनी परंपरा को आत्मसात करना , नैतिक गुणवत्ताओं को बढ़ाना, व्यक्तित्व और चरित्र को मजबूत बनाना है। हमारी प्राचीन परंपराओं

और रीति-रिवाज में गायन का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि हर अवसर पर लोक गीत गाए जाते हैं। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने हमारी प्रचलित लोक शैली में मौलिक गीतों की प्रस्तुति दी है, यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। लोकगीत गायन में एकल में प्रथम बैतूल महाविद्यालय के शुभम बारसकर, द्वितीय स्थान पर हरदा महाविद्यालय की हर्षिता भोरगे एवं तृतीय स्थान पर गृह विज्ञान महाविद्यालय की अंजलि श्रोति रही। समूह गायन में प्रथम स्थान पर नर्मदा महाविद्यालय के नानक महिपाल एवं समूह, द्वितीय स्थान पर शासकीय महाविद्यालय भैंसदेही की काजल धोटे एवं समूह एवं तृतीय स्थान पर शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय का अंजलि श्रोति एवं समूह रहा। विजेता विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र तथा सहभागिता करने वाले विद्यार्थियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। गायन प्रतियोगिता में संगीत विभाग के प्रेमकांत कटंगकार ने अपना सक्रिय एवं सराहनीय सहयोग प्रदान किया। निर्णायक के रूप में ओ पी शर्मा, श्रीमती रेखा रतनानी, अथर्व दुबे ने अपनी गरिमा में उपस्थिति प्रदान की। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. मनीषा तिवारी ने एवं आभार डॉ. रागिनी सिकरवार ने किया। भारतीय ज्ञान परंपरा कार्यक्रम संयोजक डॉ. हर्षा चचाने नें विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि गौरव का विषय है कि भारतीय ज्ञान परंपरा की विभिन्न प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की एवं हमारी प्राचीन परंपरा को आत्मसात किया। सहसंयोजक डॉ. रामबाबू मेहर ने राज्य स्तर पर होने वाली भारतीय ज्ञान परंपरा की विभिन्न प्रतियोगिता की नियमावली से विद्यार्थियों को अवगत कराकर उज्जवल भविष्य की कामना प्रेषित की।

मुख्यमंत्री ने सिरोंज-लटेरी में किया 132 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण-भूमि पूजन

समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है हमारी सरकार : सीएम डॉ. यादव

क्षेत्र में रेलवे लाइन के लिए किए जाएंगे विशेष प्रयास

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया में सर्वश्रेष्ठ देश बनने की ओर अग्रसर है। हमारी सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। युवा, गरीब, किसान और महिलाएं हमारी विशेष प्राथमिकता है। मध्य प्रदेश तेज गति से देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनने के लिए कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज सिरोंज-लटेरी, जिला विदिशा में विकास कार्यों के लोकार्पण/शिलान्यास कार्यक्रम में विशाल जन समुदाय को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने क्षेत्र के लिए 132 करोड रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण/शिलान्यास किये, इनमें 80 करोड़ 16 लाख रुपए के 54 विकास कार्यों का भूमि पूजन और 51 करोड़ 96 लाख रुपए के 198 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हित लाभ भी वितरित किए। कार्यक्रम में विदिशा जिले में 505 हेक्टेयर चरनोई की भूमि को अतिक्रमण मुक्त किए जाने पर एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने कहा कि आधुनिक युग के भागीरथ हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से केन बेतवा और पार्वती कालीसिंध चंबल लिंक परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश को दो बड़ी सिंचाई परियोजनाएं मिली है। इससे न केवल बुंदेलखंड अपितु मालवा और चंबल क्षेत्र में भी बड़े क्षेत्र में सिंचाई, पेयजल सुविधा मिलेगी। इस क्षेत्र के भी 360 गांव को जल उपलब्ध होगा। हमारा लक्ष्य है हर किसान के खेत में पानी पहुंचाना। हर खेत में पानी आने से किसान की जिंदगानी बदलेगी। कृषि उत्पादन में हम पंजाब, हरियाणा को भी पीछे छोड़ने वाले हैं। उन्होंने किसानों से कहा कि वे अपनी जमीन बिल्कुल भी न बेचें।

मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने कहा कि कृषि, पशुपालन, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, रोजगार आदि सभी क्षेत्रों में प्रदेश में तेज गति से विकास हो रहा है। हर गरीब को पक्का मकान दिलाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी संकल्पित हैं। आयुष्मान भारत योजना में 5 लाख रुपए तक का

इलाज मुफ्त है। उद्योग और रोजगार बढ़ाने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उज्जैन, सागर, रीवा, जबलपुर और ग्वालियर में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट में करोड़ों के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। युवा वर्ग के लिए सरकार शीघ्र ही एक लाख सरकारी और निजी क्षेत्र में लगभग 3 लाख पदों पर भर्ती करने जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने कहा कि शिक्षा की महत्ता को हमेशा याद रखें। बच्चों को अच्छी शिक्षा दें, शिक्षा की सारी व्यवस्था सरकार कर रही है। प्रदेश के 55 जिलों में पीएम एक्सीलेंस स्कूल खोले जा रहे हैं। गरीबों को परिवहन की अच्छी सुविधा देने के लिए सरकार मध्य प्रदेश राज्य परिवहन को दोबारा प्रारंभ करने जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने कहा कि कृषि के साथ पशुपालन को भी सरकार बढ़ावा दे रही है। जो गाय पाले वही गोपाल है तथा जहां गाय का कुल हो वही गोकुल है। सरकार दुग्ध उत्पादन पर बोनस देने वाली है तथा 10 से अधिक गाय पालने पर अनुदान दिया जाएगा। प्रदेश में बड़ी संख्या में गौशालाएं बनाई जा रही हैं। प्रदेश की धरती पर जहां-जहां भगवान श्री कृष्ण आए थे, उन सभी स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जा रहा है। उज्जैन में संदीपनी आश्रम में भगवान श्री कृष्ण ने शिक्षा ग्रहण की, जानापाव में उन्हें सुदर्शन चक्र मिला। कृष्ण और सुदामा की दोस्ती का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने कहा कि सच्ची दोस्ती वही है जब मित्र दोस्त की उसके सामने नहीं बल्कि पीछे से सहायता करे।

मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने क्षेत्र के विकास के लिए भी कई घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के माध्यम से क्षेत्र में रेलवे लाइन के लिए विशेष

प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने आनंदपुर में शासकीय महाविद्यालय खोले जाने की घोषणा भी की।

प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं विदिशा जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल ने कहा कि सरकार के निरंतर प्रयासों से प्रदेश में सिंचाई का रकबा तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के प्रयासों से प्रदेश में देश की दो नदी जोड़ो परियोजनाएं, जिनका कार्य गत 20 वर्ष से अटका हुआ था, प्रारंभ हुई हैं। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव किसानों के मसीहा बनकर कार्य कर रहे हैं। हमारा संकल्प पूरे प्रदेश को सिंचित करना है। हर किसान के क्षेत्र में पानी पहुंचाकर ही हम दम लेंगे। सांसद श्रीमती लता वानखेड़े ने भी संबोधन दिया। विधायक उमाकांत शर्मा ने अपने उद्बोधन में क्षेत्र के विकास के लिए कई मांगे रखीं। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने उन्हें पूरा करने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में विधायक मुकेश टंडन, हरि सिंह सप्रे, हरि सिंह रघुवंशी, सूर्य प्रकाश मीणा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी, जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में जन समुदाय उपस्थित था।

131.9751 करोड़ की लागत के निर्माण कार्यों का भूमि पूजन-लोकार्पण एवं हितलाभ वितरण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंगल क्लिक से सिरोंज लटेरी क्षेत्र को विभिन्न विभागों के 131.9751 करोड़ के निर्माण कार्यों का भूमि पूजन और लोकार्पण किया। साथ ही साथ उन्होंने मौके पर मंच से ही 101 हितग्राहियों को हित लाभ का वितरण भी किया है। सिरोंज और लटेरी अनुभाग क्षेत्र में जिन विभागों के करोड़ों की लागत से भूमि पूजन और लोकार्पण हुआ है उनमें नगर पालिका परिषद के 20.6217 करोड़, जनपद पंचायत के 6.6352 करोड़, स्वास्थ्य विभाग के 9.4179 करोड़, पीएमजेएसवाय के 7.0311 करोड़, लोक निर्माण विभाग के 24.8112 करोड़, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के 15.7288 करोड़, शिक्षा विभाग के 38.8000 करोड़, राजस्व विभाग के 7.3200 करोड़, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के 1.1604 करोड़ और महिला एवं बाल विकास विभाग के 0.4488 करोड़ की लागत के कार्य शामिल हैं।

विधायक ने सिरोंज को जिला और रेलवे से जोड़ने के लिए दिया मांग पत्र सीएम ने दिया आश्वासन

सिरोंज-लटेरी में आयोजित सभा में मुख्यमंत्री मोहन यादव को क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने सिरोंज को जिला बनाने रेलवे लाइन से जोड़ने एवं पथरिया, मुगलसराय दीपनाखेड़ा, आनंदपुर को तहसील का दर्जा देने के साथ ही आनंदपुर में डिग्री कॉलेज खोलने की मांग के संबंध में पत्र दिया इसके बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि रेलवे लाइन का काम मेरे हाथ में नहीं फिर में प्रयास करूंगा बाकी जो मेरे हाथ में उनको पूर्ण करने का आश्वासन दिया है जिसके बाद सिरोंज जिला बनने की जो संभावनाएं चली आ रही है , उनमें पंख लगते ही दिखाई दे रहे। क्योंकि विधायक के द्वारा जिला बनाने के लिए पूरी ताकत से सक्रिय हुकम उनको आगे बढ़ा रहा है। व्यापारिक संगठनों ने भी इसके समाधान में ज्ञापन दिया सिरोंज जिला बनाओ समिति ने भी सिरोंज को जला बनाने के लिए सीएम को ज्ञापन दिया। मुख्यमंत्री बनने के बाद डॉ मोहन यादव का पहला कार्यक्रम कार्यक्रम हुआ इसमें भारी संख्या में लोग भी आए थे। जनता के सामने मुख्यमंत्री ने अंदाज में जिले का आश्वासन दिया है। बहन जिला बनाने के लिए जिस तरह से विधायक सिरोंज को जिला बनाने की लगे हुए उसको देखते ऐसा प्रतीत हो रहा है कि बरसो सपना इस बार साकार हो सकता है।

स्वामी विवेकानंद के जन्म-दिवस 12 जनवरी को होगा सामूहिक सूर्य-नमस्कार

सीहोर। प्रदेश में स्वामी विवेकानंद के जन्म-दिवस 12 जनवरी को प्रतिवर्ष युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। युवा दिवस के मौके पर विद्यालयों, महाविद्यालयों और शिक्षण संस्थाओं में सामूहिक सूर्य-नमस्कार का आयोजन किया जाता है। सामूहिक सूर्य-नमस्कार के साथ स्वामी विवेकानंद पर केन्द्रित प्रेरणादायी शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने आयुक्त लोक शिक्षण को सामूहिक सूर्य-नमस्कार और इससे जुड़े कार्यक्रमों में स्वयंसेवी संगठनों और आम लोगों की भागीदारी भी सुनिश्चित करने के लिये कहा है। विभाग द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि प्रदेश की समस्त विद्यालयीन संस्थाओं में 12 जनवरी को प्रातः 9 से 10.30 बजे तक सामूहिक सूर्य-नमस्कार का आयोजन हो। कार्यक्रम में राष्ट्रीय गीत वंदे-मातरम और मध्यप्रदेश गान का सामूहिक गायन होगा। इसी दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का रेडियो पर संदेश प्रसारित होगा। सामूहिक सूर्य-नमस्कार समस्त शिक्षण संस्थाओं में एक साथ, एक संकेत पर किया जायेगा। कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति का गठन किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

'गांव की बेटी योजना' एवं 'प्रतिभा किरण योजना' में आवेदन प्रारंभ

सीहोर। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित 'गाँव की बेटी योजना' एवं 'प्रतिभा किरण योजना' के अंतर्गत शैक्षणिक-सत्र 2024-25 में प्रवेशित छात्राओं के ऑनलाईन नवीन एवं नवीनीकरण आवेदन के लिए छात्रवृत्ति पोर्टल पर आवेदन सुविधा प्रारंभ कर दी गई हैं। उच्च शिक्षा विभाग से संबद्ध समस्त विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में अध्ययनरत शैक्षणिक-सत्र 2024-25 में प्रवेशित समस्त पात्र छात्राएं गांव की बेटी योजना एवं प्रतिभा किरण योजना के अंतर्गत ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगी। छात्राएं पोर्टल https://hescholarship.mp.gov.in पर ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगी। समस्त विश्वविद्यालय के कुलसचिवों एवं शासकीय/अशासकीय महाविद्यालय के प्राचार्यों को सत्र 2024-25 में प्रवेशित छात्राओं के आवेदन सुनिश्चित कराने के लिए भी निर्देश जारी किये गये है।

मनोज शर्मा को प्राचार्य पद से हटाया कमला चौरसिया को मिली कमान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विगत दिनों कन्या शाला हायर सेकेंडरी के प्रभारी प्राचार्य मनोज शर्मा का पत्नी के साथ स्कूल परिसर में छात्राओं की उपस्थिति में नाचते हुए वीडियो वायरल होने पर कलेक्टर के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी रामकुमार ठाकुर ने प्राथमिक रूप से कार्रवाई करते हुए मनोज शर्मा को प्रभारी प्राचार्य के दायित्व से मुक्त करते हुए स्कूल की सीनियर शिक्षिका श्रीमती कमला चौरसिया को कन्या शाला स्कूल की जिम्मेदारी सौंप दी है। इसके संबंध में आदेश भी जारी कर दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि डांस का वीडियो सामने आने के बाद हमने मनोज शर्मा को प्रभारी प्राचार्य पद हटा दिया है साथ ही उक्त मामले में आगे की करवाई गतिशील चल रही है अभी जांच रिपोर्ट नहीं आई है उसके बाद आगे भी तथ्यों के आधार पर हम कार्रवाई करेंगे स्कूल परिसर में इस तरह के आयोजनों को बर्दाश्त नहीं करेंगे पूरे जिले में तरह के कार्यक्रम स्कूलों के अंदर नहीं होंगे इसके संबंध में भी हमने निर्देश दिए हैं।

सीहोर को टीवी मुक्त बनाने 100 दिन का विशेष अभियान शुरू

सीहोर , दोपहर मेट्रो

कलेक्टर प्रवीण सिंह ने जिले के सभी नागरिकों से सीहोर जिले को टीबी मुक्त बनाने की अपील की है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि टीबी को खत्म करने के उद्देश्य से प्रदेश के साथ ही जिले में भी 100 दिवसीय निक्षय शिविर अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले के प्रत्येक शासकीय स्वास्थ्य केंद्र, पीएचसी, सीएचसी, जिला चिकित्सालयों एवं विभिन्न स्थानों पर जाकर टीबी की निशुल्क जांच एवं स्क्रीनिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि 02 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग का लक्ष्य रखा गया है ताकि सीहोर जिले को जल्द से जल्द टीबी मुक्त बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि सीहोर जिला पूरे प्रदेश के सबसे

पहले टीबी मुक्त जिला बने। इसके लिए जिले के प्रत्येक नागरिक के सहयोग की आवश्यकता है। इसलिए टीबी के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर टीबी की जांच करवाएं। उन्होंने कहा कि टीबी एक गंभीर बीमारी है, लेकिन निरंतर उपचार और सावधानी से इसका इलाज संभव है। इस बीमारी को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास और जनभागीदारी की आवश्यकता है।

ग्राम गाविंदपुरा में कोई महामारी नहीं, टेस्ट में मरीज नेगेटिव

सीहोर , दोपहर मेट्रो

आष्टा विकासखंड के ग्राम गाविंदपुरा के अनेक ग्रामवासियों में बुखार एवं हाथ पैर दर्द होने की सूचना मिलने पर आष्टा विकासखंड के चिकित्सा अधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा गांव में भ्रमण कर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। आष्टा बीएमओ डॉ जीडी सानी ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम गोविंदपुरा में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा 37 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। परीक्षण के समय मरीजों से बताया कि उन्हें लगभग 02 महीने पहले हल्का बुखार आया था, इसके पश्चात वह स्वस्थ हो गये थे।

मरीजों ने बताया कि पिछले तीन चार दिनों से उन्हें हाथ पैरों में दर्द हो रहा हैं। इस आधार पर स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा उन सभी मरीजों का आरडी किट से टेस्ट किया गया। टेस्ट में सभी मरीज नेगेटिव पाए गये। इसके साथ ही 10 मरीजों का ब्लड सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा गया। इस दौरान टीम द्वारा ग्रामीणों को स्वच्छता एवं सफाई के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि बीमारियों से बचाव के लिए स्वच्छता आवश्यक है।

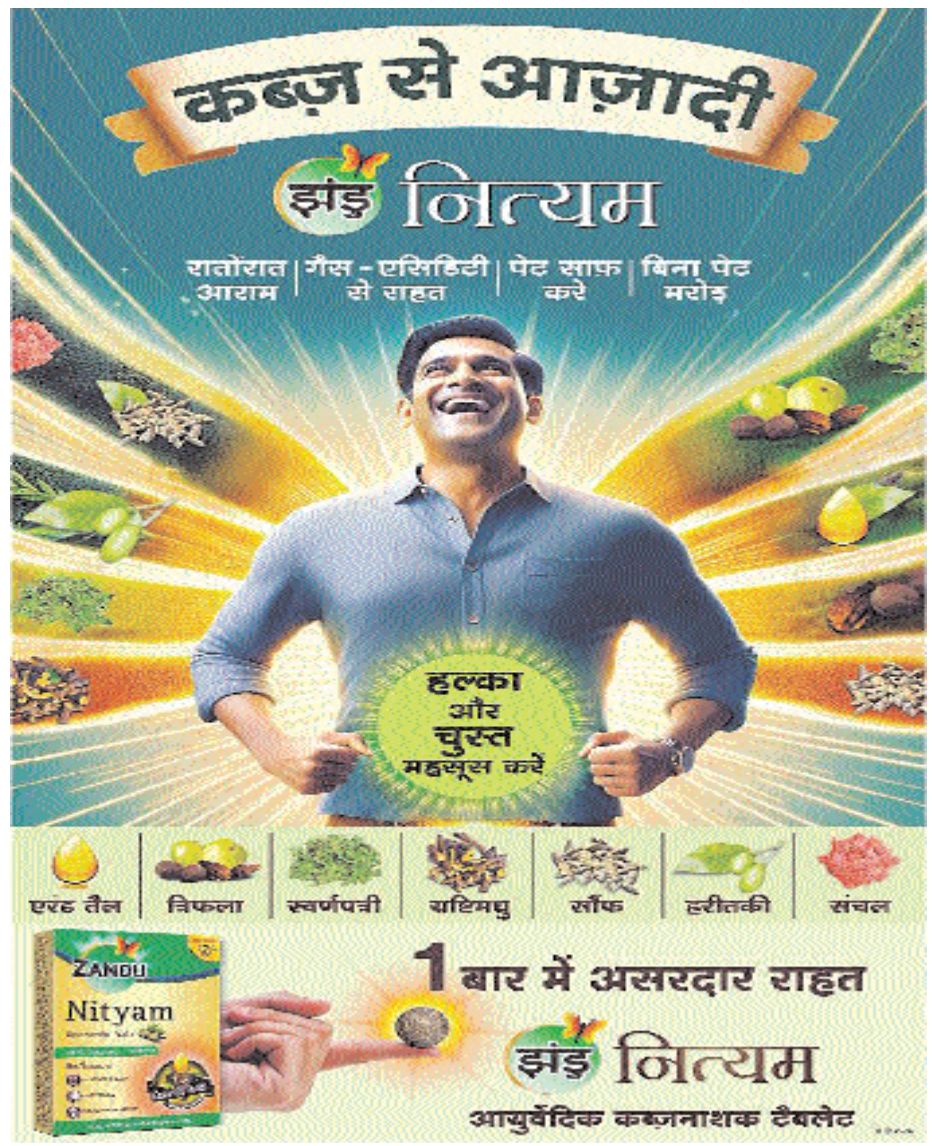

मेट्रो एंकर बाड़ी जनपद की ग्राम पंचायत धौखेड़ा में मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर संपन्न

नागरिकों को मिल रहा योजनाओं का लाभ

रायसेन , दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत शनिवार को बाड़ी जनपद की ग्राम पंचायत धौखेड़ा में शिविर आयोजित किया गया। जिसमें बाड़ी जनपद अध्यक्ष, कलेक्टर श्री अरविंद दुबे सहित स्थानीय जनप्रतिनिधी और अधिकारी भी सम्मिलित हुए।

शिविर में कलेक्टर श्री अरविंद दुबे ने उपस्थित ग्रामीणों को मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान तथा शिविर आयोजन के उद्देश्य के बारे में बताते हुए कहा कि शासन द्वारा विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाएं चलाई जा रही हैं। जिले में योजनाओं के लाभ से शेष रहे हितग्राहियों को मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविरों के माध्यम से गॉव में ही योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यहां शिविर में कई विभागों द्वारा स्टॉल

लगाकर ग्रामीणों से आवेदन लेते हुए उनका निराकरण किया जा रहा है। जो भी ग्रामीण पात्र होने के बाद भी योजनाओं का लाभ लेने से छूट गए हैं, वह यहां आवेदन दें। जिससे कि उन्हें भी योजनाओं का लाभ मिले। शिविर में आयुष्मान कार्ड, संबल कार्ड, खाद्यान्न पात्रता पर्ची, खसरा-खतौनी की नकल सहित अन्य योजनाओं के हितलाभ वितरित किए गए।

जैसा हम जीवन को देखेंगे वैसा ही वह दिखने लगेगा

नई उमंग और नई प्रेरणा... ऐसे में प्रेम, करुणा, दया और शांति आदि उच्चतम मानवीय मूल्यों को आत्मसात करें और अपने मन का घर सजाएं। दरअसल जब हम अपने मन को सकारात्मक मूल्यों से सजाते हैं, तो हम न केवल खुद संतुलित रहते हैं, बल्कि दूसरों के लिए प्रेरणा बन जाते हैं। न केवल व्यक्तिगत जीवन में सुधार होता है, बल्कि समाज में भी सामूहिक विकास और समृद्धि होती है।

तो फिर चलिए आइए करते हैं इन्हें आत्मसात...

जब हम सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रयासरत होते हैं, तो हम न केवल अपनी जिंदगी में बदलाव लाते हैं, बल्कि दूसरों के जीवन पर भी सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। सकारात्मक बदलाव का उद्देश्य किसी भी नकारात्मक स्थिति को सुधारना, नई दिशा में प्रगति करना और बेहतर परिणाम हासिल करना होता है।

करुणा और दया: जब हम दूसरों की पीड़ा महसूस करते हैं और उनकी मदद करने के लिए आगे बढ़ते हैं, तो मन के घर की दीवारों की मरम्मत होती है।

आत्मसात करें: मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहें। यह केवल अपने परिवार और दोस्तों तक सीमित न रहे, बल्कि उन लोगों की भी मदद करें जिन्हें आपके सहयोग की आवश्यकता है।

प्रेम: जब हम अपने मन को प्रेम से सजाते हैं, तो हम दूसरों से बिना किसी शर्त के प्रेम करने लगते हैं। इससे रिश्ते सशक्त होते हैं।

आत्मसात करें: किसी के साथ अपने पुराने मतभेद भुलाकर सुलह करें और नकारात्मक भावनाओं को छोड़ दें। प्रेम से भरा हुआ मन ही सच्ची खुशी और संतोष का अनुभव कर सकता है।

- **खुद को सुधारें:** सबसे पहला कदम खुद को सुधारें। जब आप खुद को बेहतर बनाते हैं, तो आप सकारात्मक बदलाव का हिस्सा बनते हैं। जैसे अगर आप स्वस्थ जीवनशैली अपनाते हैं या सकारात्मक सोच पर जोर देते हैं, तो आसपास का माहौल सही होता है।
- **समाज में योगदान दें:** आप स्वयंसेवक बनकर, किसी सामाजिक कार्य में हिस्सा लेकर या दान देकर समाज में योगदान दे सकते हैं।
- **दूसरों को संबल दें:** यह सकारात्मक बदलाव का हिस्सा बनने का एक तरीका है। किसी को प्रोत्साहित करने, आत्मविश्वास बढ़ाने या किसी के अच्छे कार्यों की सराहना करने से सकारात्मक बदलाव आता है।
- **सोच और समझ सही हो:** नई जानकारी प्राप्त करना, कौशल को बढ़ाना और जीवन के प्रति अपनी समझ को गहरा करना। इससे व्यक्ति अपनी सोच और दृष्टिकोण में बदलाव ला सकता है, साथ ही उससे जुड़े लोगों के जीवन में भी बदलाव आता है।

गुस्सा काबू में रहे, इसलिए पिता ने *नीतू* को बना दिया बॉक्सर

हरियाणा की मुक्केबाज को अर्जुन अवार्ड के लिए चुना गया, जीत चुकीं है गोल्ड मेडल

नईदिल्ली. एजेंसी

मिनी क्यूबा के नाम से मशहूर हरियाणा के भिवानी जिले की युवा मुक्केबाज नीतू घंघस का चयन अर्जुन अवॉर्ड के लिए किया गया है। 48 किग्रा भार वर्ग में विश्व चैंपियन नीतू यह सम्मान पाने वाली हरियाणा की तीसरी मुक्केबाज बनेंगी। उनसे पहले कविता चहल व सोनिया लाठर अर्जुन अवॉर्ड हासिल कर चुकी है। नीतू की मां मुकेश देवी बताती हैं कि वह बचपन में बेहद शरारती थी और अक्सर अपने भाई-बहनों और स्कूल के बच्चों से झगड़ा करती थी। आए दिन स्कूल से उसकी शिकायतें आया करती थीं। ऐसे में नीतू के पिता जयभगवान ने बेटी को मुक्केबाजी में डाला ताकि वह वहां अपनी एनर्जी लगा सकें।

ट्रेनिंग के दौरान नीतू पर मुक्केबाजी के दिग्गज कोच जगदीश सिंह की नजर पड़ी। जगदीश भिवानी बॉक्सिंग क्लब के संस्थापक हैं और ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले विजेंदर सिंह के कोच भी रहे हैं। नीतू भी उनके क्लब में शामिल हो गईं। ट्रेनिंग के लिए नीतू रोजाना अपने पिता के साथ स्कूटर पर 40 किलोमीटर की यात्रा किया करती थीं। खास यह है कि नीतू भिवानी बॉक्सिंग क्लब की सातवीं अर्जुन अवॉर्डी हैं। इस बीच, जयभगवान ने कहा कि उनकी बेटी की उपलिब्धयों से अन्य बच्चियों को आगे बढ़ने की काफी प्रेरणा मिलेगी। नीतू के पिता चंडीगढ़ में राज्य सरकार के कर्मचारी हैं। मामूली आय वाले जयभगवान ने अपनी बेटी को मुक्केबाज बनाने के लिए नौकरी दांव पर लगा दी। जयभगवान ने तीन साल की अवैतनिक छुट्टी ली और बेटी को मुक्केबाज बनाने में जुट गए। उन्होंने घर चलाने के लिए अपनी छोटी सी जमीन पर खेती करना शुरू किया।

अवॉर्ड आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा

नीतू अर्जुन अवॉर्ड हासिल करने से काफी खुश हैं। उन्होंने कहा कि यह अवॉर्ड उन्हें आगे बढ़ने और अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा। नीतू ने कहा, अर्जुन अवॉर्ड से मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा और आगे तैयारी करने के लिए प्रेरित करेगा। मेरा लक्ष्य अब 2026 में होने वाले कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतना है। इसके बाद मैं 2028 ओलंपिक के लिए तैयारी और वहां पदक जीतने की कोशिश करूंगी।

निराश नीतू छोड़ना चाहती थी मुक्केबाजी

नीतू ने 12 साल की उम्र में मुक्केबाजी की ट्रेनिंग लेनी शुरू कर दी। लेकिन पहले दो-तीन साल उन्हें कोई सफलता नहीं मिली, जिससे वे निराश हो गईं। ऐसे में नीतू ने मुक्केबाजी छोड़ने का फैसला कर लिया था, लेकिन उनके पिता ने उन्हें समझाया और बेहतर ट्रेनिंग दिलवाने का वादा किया। नीतू ने बताया कि पिता के साथ स्कूटर पर 40 किलोमीटर दूर ट्रेनिंग के लिए जाती थी

विजय हजारे ट्रॉफी: पंजाब के लगातार दूसरे मैच में 400 से ज्यादा रन

हैदराबाद के खिलाफ 426 रन का स्कोर खड़ा किया, 80 रन से जीता मुकाबला

अहमदाबाद. एजेंसी

पंजाब ने अपने बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से हैदराबाद के खिलाफ खेले गए विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप-सी मैच में 4 विकेट पर 426 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। पंजाब की टीम टूर्नामेंट के एक संस्करण में लगातार दूसरी बार 400 से अधिक का स्कोर बनाने वाली पहली टीम बन गई है। पंजाब ने प्रभसिमरन सिंह (137), कप्तान अभिषेक शर्मा (93) और रमनदीप सिंह (80) की पारियों से 426 रन बनाए। पंजाब ने इस मैच में हैदराबाद को 80 रन से हराया। हैदराबाद की टीम 47.5 ओवर में 346 रन ही बना सकी।

अर्शदीप को 4 विकेट: पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह ने 50 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट लिए। वहीं रघु शर्मा ने तीन विकेट चटकाए।

करुण नायर ने बनाया लिस्ट-ए विश्व रेकॉर्ड

विजयनगरम. करुण नायर ने विदर्भ को ग्रुप-डी मैच में उत्तर प्रदेश पर आठ विकेट की जीत दिलाने के दौरान बिना आउट हुए लिस्ट-ए में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रेकॉर्ड बनाया। करुण ने न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर जेम्स फ्रैंकलिन के 2010 में बनाए गए 527 रन के रेकॉर्ड को पीछे छोड़ा। दाएं हाथ के बल्लेबाज करुण 112 रन पर आउट हो गए जिससे उनकी कुल संख्या 542 रन पर रुक गई। करुण और यश राठौड़ (नाबाद 138) की शतकीय पारियों से विदर्भ ने उत्तर प्रदेश के 308 रन के लक्ष्य का 47.2 ओवर में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया।

राजस्थान ने लगातार पांचवां मैच जीता, कार्तिक-जोशी चमके

वहीं राजस्थान ने ग्रुप-बी मैच में रेलवे को बेहद रोमांचक अंदाज में एक गेंद शेष रहते एक विकेट से हरा दिया। राजस्थान ने इस सीजन लगातार पांचवां मैच जीता। रेलवे ने सूरज आहूजा (115) के शतक से 9 विकेट पर 345 रन बनाए। जवाब में राजस्थान ने समर्पित जोशी के नाबाद 116 रन और कार्तिक शर्मा (100) की शतकीय पारी से 49.5 ओवर में 9 विकेट पर 348 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। राजस्थान की ओर से खलील अहमद ने चार और दीपक चाहर ने दो विकेट हासिल किए।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

मैंने 19 साल की उम्र तक उन्हें कभी लड़ते नहीं देखा, आमिर-के तलाक पर पहली बार बोले जुनैद

आमिर खान के बेटे जुनैद खान ने फिल्म महाराज के साथ फिल्म इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत की। हालांकि फिल्म बिना किसी प्रचार के रिलीज हुई थी और इसे प्रशंसकों की काफी अच्छी प्रतिक्रिया भी मिली थी। अभिनेता अब अपनी अगली फिल्म लवयापा के लिए सुर्खियां बटोर रहे हैं। हालांकि, इन सब के बीच जुनैद ने पहली बार अपने माता-पिता के तलाक को लेकर अपना अनुभव साझा किया है और बताया है कि उन्होंने कभी भी अपने माता-पिता की लड़ाई नहीं देखी है। विक्की लालवानी के साथ एक साक्षात्कार में जुनैद ने कहा, मुझे लगता है कि जब मैं आठ साल का था, तभी मेरे पेरेंट्स एक-दूसरे से अलग हो गए थे। लेकिन उन्होंने कभी हमें ऐसा महसूस नहीं होने दिया। इसके पीछे कारण है कि मैंने 19 साल की उम्र तक उन्हें कभी झगड़ा या लड़ाई करते हुए नहीं देखा था। पहली बार जब मैंने अपने पेरेंट्स को लड़ते देखा, तब मैं 19 साल का था। इसलिए मैंने या आयरा ने उन्हें कभी लड़ते नहीं देखा।

मनोज ने फैमिली मैन 3 की शूटिंग की खत्म, *दर्शकों को थोड़ा इंतजार करने को कहा...*

हाल ही में एक्टर मनोज बाजपेयी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने क्लैपरबोर्ड की एक तस्वीर पोस्ट की। इसके जरिए उन्होंने बताया है कि वह द फैमिली मैन 3 की शूटिंग पूरी कर चुके हैं। द फैमिली मैन 3 की शूटिंग मनोज बाजपेयी पूरी कर चुकी हैं, यह बताने के लिए उन्होंने इंस्टा स्टोरी का सहारा लिया है, जिस पर एक कैप्शन भी लिखा है-शूटिंग पूरी हुई। 'फैमिली मैन 3' के लिए, थोड़ा इंतजार कीजिए। द फैमिली मैन की सीरीज को दर्शक काफी पसंद करते हैं। इसे राज निदिमोरू और कृष्णा डीके द्वारा प्रोड्यूस, डायरेक्ट किया गया है। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर रिलीज होती है। इसमें मनोज बाजपेयी के अलावा प्रियामणि, शारिब हाशमी, अश्लेषा ठाकुर और वेदांत सिन्हा जैसे कलाकार है, जो सीजन 3 में भी नजर आएंगे। प्रियामणि की बात करें तो वह साउथ की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं, इस सीरीज में वह श्रीकांत यानी मनोज बाजपेयी के किरदार की पत्नी की भूमिका में नजर आई हैं। यह किरदार भी काफी हटकर रहा है। वहीं शारिब हाश्मी के रोल को भी दर्शकों ने काफी पसंद किया है, वह मनोज बाजपेयी के किरदार के दोस्त और सहयोगी बने हैं।

स्पॉय एजेंट की कहानी: सीरीज 'फैमिली मैन 3' में मनोज बाजपेयी ने श्रीकांत तिवारी का किरदार निभाया है, जो कि दुनिया की नजर में आम आदमी है लेकिन असल में एक स्पॉय एजेंट हैं। सीरीज में एक्शन, ड्रामा भरपूर रहा है। 'फैमिली मैन 3' में दर्शकों को पहले सीजन की तरह की एंटरटेन करेगा। पहला सीजन 2019 में आया था, वहीं दूसरा सीजन 2021 में आया। दर्शकों से लेकर आलोचकों तक ने इस सीरीज को खूब सराहा। मनोज भी इस सीरीज में अपनी अभिनय क्षमता का पूरा उपयोग करने में कामयाब रहे हैं।

पर्दे पर कई बड़े सितारे आपस में टकराए

बीते साल बॉलीवुड में कई बड़ी फिल्मों के बीच जबर्दस्त क्लैश देखने को मिला। इन फिल्मों में कई बड़े सितारे नजर आए। हालांकि, इनमें से कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कामयाब नहीं हो सकीं। इस महीने भी कई बड़ी फिल्में आपस में टकराएंगी। कंगना रनौत की मोस्ट अवेटेड फिल्म इमरजेंसी साल 2026 में रिलीज होगी। ये फिल्म 17 जनवरी के दिन सिनेमाघरों में दस्तक देगी। वहीं अक्षय कुमार की फिल्म स्काई फोर्स भी जनवरी में ही रिलीज होगी। ये फिल्म 24 जनवरी के दिन सिनेमाघरों में आएगी। शाहिद कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म देवा 31 जनवरी के दिन रिलीज होगी। ये फिल्म सिनेमाघरों में आएगी।

बड़े मियां छोटे मियां - मैदान: बड़े मियां छोटे मियां में अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, पृथ्वीराज सुकुमारन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए। फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर ने किया था। 11 अप्रैल 2024 को रिलीज हुई इस फिल्म से फैंस को काफी ज्यादा उम्मीदें थीं। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कमाल नहीं दिखी सकी। टिकट खिड़की पर इसकी टक्कर अजय देवगन अभिनीत फिल्म मैदान से थी। यह फिल्म भी दर्शकों पर अपना जादू चलाने में नाकाम साबित हुई थी।

इंडियन 2, सरफिरा: फिल्में सरफिरा और इंडियन 2 रिलीज हुई थीं। सरफिरा में अक्षय कुमार और राधिक मदान थे। वहीं, इंडियन 2 में कमल हासन जैसे दिग्गज अभिनेता थे। हालांकि, दोनों ही फिल्में अपनी स्टार कास्ट के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा सकी। इन दोनों फिल्मों को लेकर काफी उम्मीदें थी, लेकिन दर्शकों ने इन्हें पूरी तरह से रिजेक्ट कर दिया।

स्त्री 2, वेदा, खेल खेल में: तीन बड़ी फिल्मों के बीच क्लैश देखने को मिला था। इस दिन बड़े पर्दे पर फिल्म स्त्री 2, वेदा और खेल खेल में रिलीज हुई थी। स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल की और सुपरहिट साबित हुई। फिल्म के हास्य और हॉरर का बेहतरीन मिश्रण दर्शकों को बहुत पसंद आया।

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो, जिगरा: जिगरा और विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के बीच टक्कर देखने को मिली थी। दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाईं। जिगरा और विक्की विद्या का वो वाला वीडियो दोनों को ही दर्शकों से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। बॉक्स ऑफिस पर यह दोनों ही फिल्में असफल रहीं।

भूल भुलैया 3, सिंघम अगेन: 1 नवंबर को सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 के बीच एक और बड़ा क्लैश देखने को मिला था। भूल भुलैया 3 ने कार्तिक आर्यन और विद्या बालन के साथ बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया। यह सुपरहिट साबित हुई।

प्रियंका चोपड़ा बीते लंबे समय से इंडियन सिनेमा में कमबैक का इंतजार कर रही हैं। कुछ समय पहले प्रियंका फरहान अख्तर की फिल्म जी ले जरा से कमबैक करने वाली थीं, हालांकि अब ये फिल्म बंद होती नजर आ रही है। इसी बीच प्रियंका ने एस एस राजामौली की अपकमिंग तेलुगु फिल्म साइन कर ली है। ये फिल्म अफ्रीकी जंगल एडवेंचर पर आधारित होने वाली है, हालांकि अब तक इसका टाइटल तय नहीं किया गया है। फिल्म में महेश बाबू एक रिसर्चर की भूमिका में नजर आएंगे। हाल ही में आई पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार, बाहुबली और आरआरआर की कामयाबी के बाद एस एस राजामौली महाकाव्य पर फिल्म बना रहे हैं। मेकर्स ने फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार कर ली है। प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म की शूटिंग अप्रैल 2025 से शुरू करेंगी, वहीं महेश बाबू के साथ फिल्म 2026 में फिलमाई जाएगी।

पैन इंडिया फिल्म से कमबैक करेंगी प्रियंका: *रिपोर्ट के अनुसार ये तेलुगु फिल्म पैन इंडिया होने वाली है, जिसे हिंदी, तमिल, मलयाली और कन्नड़ भाषा में भी रिलीज किया जाएगा। फिल्म के लिए एस एस राजामौली ऐसी एक्ट्रेस की तलाश में थे, जो ग्लोबली पहचान रखती हों। बीते 5-6 महीने में उन्होंने कई बार प्रियंका से मुलाकात की और उनका नाम फाइनल किया। इस फिल्म को ग्लोबल लेवल तक पहुंचाने के लिए डिज्नी और सोनी पिक्चर्स जैसे बड़े स्टूडियोज से बात जारी है। साल 2021 में फरहान अख्तर ने फिल्म जी ले जरा की अनाउंसमेंट की थी, जिसमें प्रियंका चोपड़ा, आलिया भट्ट और कटरीना कैफ लीड रोल निभाने वाली थीं।*

31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में हैंड्स ऑन एक्टिविटीज पर रही भीड़

भोजन को पोषण के लिए खाएं या दवा के रूप में खाएं अन्यथा दवा ही आपका भोजन बन जाएगी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के दूसरे दिन विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट्स का मूल्यांकन और फेस टू फेस कार्यक्रम एवं कार्यशालाओं से रविन्द्र भवन परिसर का माहौल विज्ञानमय रहा। देश के समस्त राज्यों से आए विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट्स का मूल्यांकन चलता रहा। विद्यार्थियों ने मॉडल्स और पोस्टर के माध्यम से अपने कार्यों के बारे में जानकारी प्रदान की। विज्ञान शिक्षकों के लिए आहार क्रांति- पोषण एवं आहार से कुशल स्वास्थ्य विषय पर कार्यशाला आयोजित की गयी, जिसमे सागर भिंडे एवं मनोहर शिवन विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे। कार्यशाला में पारंपरिक भारतीय आहार पिरामिड और स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली पर चर्चा की गई। मनोहर शिवन ने कहा कि युवा पी?ी को शारीरिक गतिविधियां अपनाकर और संतुलित आहार का सेवन करके अपने स्वास्थ्य को बनाए रखना चाहिए। सागर भिंडे, गुजरात विश्वविद्यालय के प्रशिक्षक, ने आहार क्रांति की आवश्यकता पर जोर दिया । उन्होंने कहा, भोजन को पोषण के लिए खाएं या दवा के रूप में खाएं, अन्यथा दवा ही आपका भोजन बन जाएगी। उन्होंने युवाओं में आहार संबंधी विकार, सोशल मीडिया के प्रभाव और पोषण के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया।

जलवायु नीतियों का क्रियान्वयन भविष्य के लिए आवश्यक : पापुलर साइंस लेक्चर के अंतर्गत विशेषज्ञ डॉ. आनंद मधुकर, टीईआरआई स्कूल ऑफ एडवांस स्टडीज, नई दिल्ली के सहायक प्रोफेसर, ने सतत विकास और जलवायु परिवर्तन जागरूकता पर अपना वक्तव्य दिया। उन्होंने 2015 में पेरिस सम्मेलन के दौरान स्थापित 17 वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों की जानकारी दी। उन्होंने समझाया कि जल, ऊर्जा और कृषि जैसे संसाधनों का कुशल उपयोग और जलवायु नीतियों का क्रियान्वयन भविष्य के लिए आवश्यक है। भारतीय नवप्रवर्तन फाउंडेशन अहमदाबाद के निदेशक डॉ. अरविन्द रानाडे ने खगोल शास्त्र और विज्ञान के बारे में रोचक वक्तव्य दिया। उन्होंने विस्तार से ग्रहों, तारों, सौर मंडल, सूर्य ग्रहण, चन्द्र ग्रहण, भारत में खगोल विज्ञान का विकास विषय पर विस्तार से रोचक जानकारियां प्रस्तुत की। उनके वक्तव्य पर विद्यार्थियों ने रोचक प्रश्न भी पूछे जिनके जवाब डॉ. रानाडे ने दिए।

पुलिस का छापा, 6 स्पा सेंटरों के खिलाफ हुई कार्रवाई

आपत्तिजनक हालत में मिले तीन दर्जन युवक-युवतियां

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पुलिस ने शनिवार को राजधानी में चल रहे करीब डेढ़ दर्ज स्पा सेंटरों पर छापामार कार्रवाई की. इस दौरान आधा दर्जन सेंटरों पर करीब तीन दर्जन युवक और युवतियां आपत्तिजनक हालत में मिले. इन स्पा सेंटरों से भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री भी जब्त की गई है. स्थानीय थाना पुलिस ने स्पा सेंटर और पकड़े गए युवक-युवतियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है. जानकारी के अनुसार पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र को लंबे समय शहर के स्पा सेंटरों में अनैतिक व्यापार की शिकायतें मिल रही थी. इन शिकायतों के चलते आयुक्त ने स्पा सेंटरों की जांच के निर्देश दिए थे. शनिवार क्राइम ब्रांच की टीम ने महिला थाना और पुलिस लाइन के बल के साथ शहर के करीब डेढ़ दर्जन स्पा सेंटरों पर छापामार कार्रवाई की. इस दौरान थाना

कमला नगर, एमपी नगर, हबीबगंज और बागसेवनिया क्षेत्र में चल रहे 6 स्पा सेंटरों पर युवक और युवतियां आपत्तिजनक हालत में मिले. सभी स्थानों से करीब तीन दर्जन युवक और युवतियों को गिरफ्तार किया गया है. सभी के खिलाफ स्थानीय थाना पुलिस द्वारा कार्रवाई का जा रही है. इन सेंटरों पर बड़ी मात्रा में अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई है. कार्रवाई के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा.

भिंड कलेक्टर के आदेश के समर्थन में आए शिक्षक संगठन, कहा- सभी जिलों में जारी हों ऐसे आदेश

भिंड में सभी बीईओ, डीडीओ के वेतन रोकने के कलेक्टर ने जारी किए थे आदेश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शिक्षकों का भुगतान नहीं होने पर अधिकारियों के वेतन रोकने को लेकर भिंड कलेक्टर द्वारा जारी किए गए आदेश के समर्थन में प्रदेश के शिक्षक संगठन आ गए है। इस आदेश का शिक्षक संगठनों द्वारा स्वागत किया गया है।?शासकीय शिक्षक संगठन ने भोपाल कलेक्टर से भी ऐसे ही आदेश जारी करने की मांग की है। शासकीय शिक्षक संगठन मप्र के कार्यकारी अध्यक्ष उपेंद्र कौशल का कहना है कि भोपाल कलेक्टर सहित अन्य जिलों को भी इसी प्रकार से निर्देश जारी कर शिक्षकों के लंबित स्वत्वों, वेतन भत्तों, एरियर राशि का भुगतान कराना चाहिए। भोपाल में भी शिक्षक अपने स्वत्वों के भुगतान के लिए शिक्षा विभाग के कार्यालयों के चक्कर काटते रहते हैं, लेकिन अधिकारी और बाबू बात करने को भी तैयार नहीं होते। इसे लेकर जल्द ही भोपाल कलेक्टर को ज्ञापन भी सौंपेंगे। ताकि शिक्षकों की समस्याओं का तत्काल निराकरण होने के साथ ही नियमों का पालन नहीं करने वालों पर सख्त कार्यवाही हो। उल्लेखनीय है कि, प्रदेशभर में शिक्षकों को अब तक 6वें, 7वें वेतनमान और क्रमोन्नति का एरियर नहीं मिला है। इसे लेकर शिक्षक नाराज रहते हैं और समय-समय पर आंदोलन भी कर रहे हैं।

यह है पूरा मामला: भिंड कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में कलेक्टर ने शिक्षकों को 6वें एवं 7वें वेतनमान और क्रमोन्नति का एरियर भुगतान न होने के लिए सीधेतौर पर स्कूल शिक्षा विभाग के मैदानी अधिकारियों को जिम्मेदार माना है और अलग-अलग मद में एरियर का भुगतान होने तक भिंड के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी, आहरण संवितरण अधिकारी (डीडीओ) और उनके वेतन आहरण लिपिकों के वेतन भुगतान पर आगामी आदेश तक के लिए रोक लगा दी है।

लूटपाट: निगरानी बदमाश ने छुरी दिखाकर लूटी स्पोर्टस बाइक

लिफ्ट लेने के बहाने छात्र और दोस्त को रोका गाड़ी रुकते ही दोनों को धक्का देकर गिराया

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

जहांगीराबाद इलाके में शुक्रवार रात एक बदमाश ने लिफ्ट के बहाने स्पोर्ट्स बाइक सवार दो छात्रों को रोक लिया. बाइक रोकते ही बदमाश ने दोनों को धक्का देकर नीचे गिरा दिया और छुरी दिखाकर डराते हुए बाइक लूटकर भाग निकला. सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर बदमाश को दबोच लिया. इसके साथ ही लूटी गई स्पोर्ट्स बाइक भी बरामद कर ली गई. शनिवार को इलाके में बदमाश का जुलूस निकाला गया. वह पिछले दिनों ही जेल से छूटकर बाहर आया था. जानकारी के अनुसार बिलाल उस्मानी (18) शिफा मंजिल तलैया में रहता है और प्रतियोगी परीक्षा नीट की तैयारी कर रहा है. शुक्रवार रात वह अपने दोस्त अलफेज के साथ उसकी स्पोर्ट्स बाइक ड्यूक लेकर वरदान अस्पताल के पास काम से आया था. रात करीब ग्यारह बजे दोनों दोस्त बाइक पर बैठकर घर लौटने लगे. वह पठान फिटनेस के पास पहुंचे, तभी एक युवक ने लिफ्ट का इशारा किया. बिलाल ने जैसे ही युवक के पास बाइक रोकी, वैसे ही बदमाश ने दोनों को धक्का देकर नीचे गिरा दिया और छुरी दिखाकर डराते हुए बाइक लेकर भाग निकला. घटना के बाद बिलाल और उसके साथी ने शोर मचाया और बाद में थाने जाकर घटना की जानकारी दी. बदमाश की तलाश में जुटी पुलिस एसआई रामसजीवन वर्मा ने बताया कि शुक्रवार को थाना प्रभारी आशुतोष उपाध्याय की नाईट गश्त भी थी. सूचना मिलते ही थाना प्रभारी उपाध्याय ने अपनी बाइक पर एक कर्मचारी को बिठाया और बदमाश की तलाश में निकल पड़े. इसके साथ ही अन्य पुलिस कर्मचारियों को अलग-अलग दिशाओं में भेजा गया. कुछ समय बाद सूचना मिली कि स्पोर्ट्स बाइक लूटने वाला बदमाश नदीम जिंसी था, जो इस समय एक्सटॉल कालेज के पास देखा गया है. सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने नदीम को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने बाइक लूटने की बात स्वीकार कर ली. झुग्गीबस्ती से बरामद हुई बाइक पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर लूटी गई ड्यूक बाइक रोशनपुरा झुग्गीबस्ती की एक गली से बरामद की है. पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वारदात को बाद वह झुग्गीबस्ती पहुंचा और एक गली में बाइक खड़ी करने के बाद वापस लौट आया था. जब्त हुई बाइक की कीमत करीब 1 लाख 80 हजार रुपये बताई गई है. इलाके में निकाला बदमाश का जुलूस शनिवार को पुलिस ने बदमाश नदीम जिंसी का इलाके में जुलूस निकाला. उसके खिलाफ करीब दो दर्जन संगीन अपराध पहले से दर्ज हैं. उसके खिलाफ जेल ब्रेक का प्रकरण भी दर्ज हो चुका है. कुछ समय पहले हबीबगंज पुलिस ने बदमाश को गिरफ्तार कर जेल भेजा था. वह पांच-छह दिन पहले ही जमानत पर जेल से बाहर आया था.

कलश यात्रा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। अशोका गार्डन स्थित दुर्गा धाम मंदिर में 11 दिवसीय जो कुंडीय हरिहात्मक शक्ति महायज्ञ का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ महायज्ञ बनारस से आए पंडित युगल युगल किशोर शास्त्री संपन्न करेंगे इस मौके पर यज्ञ स्थल पर रोज शाम को भरत चरित्र की कथा होगी इसका वचन वृंदावन धाम के पंडित रामदास महाराज करेंगे। - **फोटो निर्मल व्यास**

बोरवेल मशीन से टकराया मैजिक वाहन नाबालिग समेत 2 युवकों की मौत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित एयरपोर्ट पर शुक्रवार देर रात एक मैजिक वाहन सड़क किनारे खड़े बोरवेल मशीन से जाकर टकरा गया. इस हादस में मैजिक सवार एक नाबालिग समेत 2 युवकों की मौत हो गई, जबकि चालक समेत 2 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं. घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घटना के समय चारों लोग कैंटीन का कचरा फेंककर वापस हमीदिया अस्पताल लौट रहे थे. पुलिस ने बोरवेल मशीन जब्त कर ली है, जबकि चालक की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे हैं. जानकारी के अनुसार दाता कालोनी कोहेफिजा निवासी शैलू गुप्ता हमीदिया अस्पताल परिसर में कैंटीन चलाते हैं. उनके यहां सिरोज विदिशा निवासी शेरजाराम यादव (30), ललितपुर उत्तर प्रदेश निवासी नमन कौशिक (15) और मन्नू रैकवार (22) निवासी झांसी उत्तर प्रदेश काम करते हैं. कैंटीन से निकलने वाला दिनभर का कचरा रोजाना संत आसाराम तिराहे के पास गड्ढे में फेंका जाता है. शुक्रवार रात शैलू गुप्ता अपने तीनों कर्मचारियों के साथ कचरा फेंकने के लिए निकले थे. कचरा फेंकने के बाद चारों लोग वापस हमीदिया अस्पताल लौट रहे थे. रात करीब सवा एक बजे वह एयरपोर्ट रोड स्थित स्पंदन अस्पताल के सामने पहुंचे, तभी सड़क किनारे खड़े बोरवेल मशीन वाले ट्रक में उनका मैजिक टकरा गया. इस हादसे में चोरों लोगों को गंभीर चोट आई थी. उन्हें इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद शेजराम यादव और नमन कौशिक को मृत घोषित कर दिया. कैंटीन संचालक शैलू गुप्ता और कर्मचारी मन्नू रैकवार का इलाज चल रहा है.

मेट्रो एंकर

विधायक बोट रेस के विजेताओं को मिली राइडर बाइक, नकद पुरस्कार

विधायक ने कहा- और वृहद स्तर पर होगी प्रतियोगिता

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम नगर के बेहटा गांव घाट पर शनिवार को विधायक बोट रेस का आयोजन किया गया, केवट समाज के समाजसेवी कन्छेदीलाल केवट की स्मृति में हर श्री विराट मानव सेवा संस्थान रेस का आयोजन करती है। चौथी विधायक बोट रेस में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विधायक रामेश्वर शर्मा ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। विधायक शर्मा ने कहा कि भोपाल में सबसे बड़ी यदि कोई बोट रेस होती है तो वह बोट क्लब पर नहीं बल्कि बेहटा गांव में भाई रामू केवट के द्वारा होती है। हमारी कोशिश है कि यह बोट रेस धीरे-धीरे और व्यापक और वृहद हो। सबसे बड़ी बात है यह कि हमारे वह लड़के जो मेहनत करते हैं, 12 महीने नाव के साथ तालाब में दौड़ते हैं। जब भोपाल में अति वर्षा होती है, पूरे भोपाल में पानी भर जाता है, तो उस समय लोगों को बचाने के लिए कोई और नहीं आता यह बोट क्लब के ही मेरे साथी आते हैं। तब यही लोग हमारे शहर को बचाने का भी काम करते हैं।

सनातन की जय जयकार हो

उन्होंने आगे कहा कि केन्द्र की मोदी और राज्य की मोहन यादव का लक्ष्य है गरीब का भला हो, बेटियां सुरक्षित रहें, नौजवानों को रोजगार की व्यवस्था हो, बुजुर्गों के इलाज की सुविधा मिले, लेकिन इसके साथ ही हमारी और आपकी कोशिश हो कि विश्व में सनातन धर्म की जय जयकार हो।

यह रहे मौजूद

कार्यक्रम संयोजक राम बंसल, मण्डल अध्यक्ष मनीष बागवानी, भोपाल फन्दा ग्रामीण जनपद अध्यक्ष प्रमोद राजपूत, पूर्व मण्डल अध्यक्ष कमल वीधानी, चन्द प्रकाश इसरानी, सूरज यादव, विकास मारण, शेट्टी चंदनानी, भगवत विश्वकर्मा, लीला राजपूत, हीरो इसरानी व ब?ी संख्या में संतनगर व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भी मौजूद रहे। अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम अध्यक्ष प्रदीप मेवा?ा, कार्यक्रम प्रभारी संतोष रजक, कार्यक्रम उपाध्यक्ष बन्टी मोर्कल, कार्यक्रम उपाध्यक्ष दीपक मेहरा, शुभम केवट ने किया।

तीन श्रेणियों में हुई रेस

यह प्रतियोगिता 'सीनियर बोट रेस, कश्ती रेस व जूनियर बोट रेस' इन तीन श्रेणियों में आयोजित की गई। सीनियर कैटेगरी व कश्ती रेस में प्रथम पुरस्कार टीवीएस राईडर बाइक रखी गई, वहीं जूनियर कैटेगरी में प्रथम पुरस्कार 21 हजार का रखा गया। सीनियर बोट रेस में प्रथम पुरस्कार बाबू मांझी, आकाश चौहान को प्राप्त हुआ व कश्ती रेस में अजय मांझी, कृष्णा मांझी को प्राप्त हुआ। वहीं जूनियर बोट रेस में प्रथम पुरस्कार प्रयांश मांझी, संजय मांझी को प्राप्त हुआ।

कॉलेजों को नैक ग्रेडिंग के आधार पर मिलेगी बीयू से मान्यता

भोपाल, दोपहर मेट्रो। नैक ग्रेडिंग के आधार पर अब कॉलेजों को सत्र 2025-26 के लिए आगामी संबद्धता दी जाएगी। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय प्रशासन ने संबंधित कॉलेजों की मान्यता को लेकर नए आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश में बीयू से संबद्ध सभी शासकीय, अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि वह नैक ग्रेडिंग के लिए आवेदन करें। संवद्धता के आधार पर ही इस सत्र की संबद्धता मिलेगी। आदेश के अनुसार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पत्र और विश्वविद्यालय परिनियम के प्रावधान अनुसार 06 वर्षों से अधिक समय से संचालित महाविद्यालय नैक ग्रेडिंग के लिए आवेदन करें, जिसकी सूचना विश्वविद्यालय को भी दें।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022